·हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 221 बेमेतरा, रविवार 05 अप्रैल 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

युद्ध प्रभावित क्षेत्रों को 2.5 लाख करोड़ तक की कर्ज गारंटी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से प्रभावित क्षेत्रों को राहत देने के लिए नई कर्ज गारंटी योजना लाने की तैयारी कर रही है। इस योजना का मकसद खासतौर पर उन कंपनियों को आसानी से कर्ज उपलब्ध कराना है, जो आपूर्ति से जुड़ी चुनौतियों के साथ कच्चे माल और लॉजिस्टिक खर्च की बढ़ती लागत से परेशान हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, नई योजना के तहत सरकार दो से 2.5 लाख करोड़ रुपये तक की कर्ज गारंटी दे सकती है।

खाड़ी में महायुद्ध और बाजार में हाहाकार ब्रोकरों ने चुने 10 शेयर

नई दिल्ली। परिसंपत्ति बाजारों में भारी उथल-पुथल मच गई है। निवेशक तेल और गैस बाजार में पैदा हुई चुनौतियों से होने वाले आर्थिक और वित्तीय नुकसान का हिसाब लगा रहे हैं। युद्ध की वजह से कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में आई तेजी का असर भारत समेत तेल और गैस आयात करने वाले देशों की खजाने और आर्थिक विकास पर पड़ने की आशंका है। कंपनियों की कमाई पर भी इसका बुरा असर होने का अनुमान है, क्योंकि कई सेक्टरों की कंपनियों को ऊर्जा और कमोडिटी की ऊंची कीमतों की वजह से मार्जिन में कमी का सामना करना पड़ेगा।

ओरेकल बिल्डिंग पर गिरा इंटरसेप्शन का मलबा

नई दिल्ली । संयुक्त अरब अमीरात के दुबई शहर में एक इमारत पर हवाई इंटरसेप्शन के दौरान गिरा मलबा मिलने की घटना सामने आई है। दुबई मीडिया ऑफिस के अनुसार यह मलबा दुबई इंटरनेट सिटी स्थित ऑरेकल बिल्डिंग के बाहरी हिस्से पर गिरा। अधिकारियों ने बताया कि घटना के बाद तुरंत मौके पर टीम भेजी गई और स्थिति को संभाल लिया गया। इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। दुबई मीडिया ऑफिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि यह एक छोटा सा हादसा था।

बंगाल में गरमाई सियासतः ममता बनर्जी का बड़ा आरोप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मालदा जिले के मोथाबाड़ी में हुई हिंसा को लेकर केंद्र सरकार और एनआईए पर निशाना साधा है। बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि मोथाबाड़ी में न्यायिक अधिकारियों का घेराव करने वाले असली गुनहगार तो भाग निकले हैं, लेकिन एनआईए अब बेकसूर स्थानीय लोगों को पकड़कर उन्हें परेशान कर रही है।

पश्चिम एशिया संकट पर बोले पीएम मोदी

खाड़ी देशों में भारतीयों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध, दुश्मनी चाहती है कांग्रेस

केरल (ए)। केरल में चुनावी बिगुल बज चुका है और इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सूबे के तिरुवल्ला में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने विपक्षी दल कांग्रेस, लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) पर जमकर प्रहार किए। पीएम ने कांग्रेस पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी सिर्फ चुनावी फायदे और मुझे गाली देने के लिए एक करोड़ प्रवासियों की जिंदगी दांव पर लगाने को तैयार है।

कांग्रेस चाहती है कि खाड़ी देश भारत को अपना दुश्मन समझें

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की मंशा बेहद खतरनाक है। वे चाहते हैं कि पश्चिम एशिया के देश भारत को अपना दुश्मन समझ लें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि हम यहां कोई ऐसी गलती कर दें या कोई ऐसा बयान दे दें, जिससे खाड़ी देशों में रह रहे हमारे भारतीय भाई-बहनों पर बड़ी मुसीबत आ जाए। पीएम मोदी ने सीधे तौर पर कहा कि कांग्रेस जानबूझकर खाड़ी देशों को नाराज करने वाले बयान दे रही है, जिससे देश में डर का माहौल बने और उन्हें केंद्र सरकार को कोसने का मौका मिल सके।

प्रधानमंत्री ने विरोधियों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि मैं कांग्रेस और एलडीएफ-यूडीएफ के लोगों से साफ कह देना चाहता हूं कि राजनीति अपनी जगह है और चुनाव आते-जाते रहेंगे। मेरे लिए केरल के जो लाखों लोग वहां काम कर रहे हैं, उनकी सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है और मैं इसके लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं।

सबरीमाला में हुए पाप का कांग्रेस और लेफ्ट से कनेक्शन

प्रधानमंत्री ने केरल की संस्कृति पर हो रहे हमलों को लेकर भी विपक्ष को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि लेफ्ट और कांग्रेस के भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण का सीधा निशाना केरल की महान संस्कृति और आस्था पर है। उन्होंने कहा कि पहले इन लोगों ने सबरीमाला तीर्थ को बदनाम करने की साजिश रची और अब

झूठ बोलना कांग्रेस और वामपंथियों का स्वभावः पीएम

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि हर चीज में झूठ बोलना इनका स्वभाव बन चुका है।

उन्होंने कहा कि जब हम सीएए लेकर आए, तब इन्होंने खूब झूठ फैलाया। आज कानून लागू हो चुका है और देश का कोई नुकसान नहीं हुआ। उन्होंने द केरल फाइल्स और कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्मों का उदाहरण देते हुए कहा कि सच सामने आते ही विपक्ष इसे झूठ का पुलिंदा बताने लगता है। आजकल ये लोग यूसीसी को लेकर भी ऐसा ही भ्रम फैला रहे हैं।

यह इनकी लूट का अड्डा बन गया है। पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि सबरीमाला में जो कुछ भी हुआ वह एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि यह चोरी एलडीएफ सरकार में हुई और इसके तार कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से जुड़े पाए गए हैं। यही वजह है कि एलडीएफ सरकार इस पूरे मामले की जांच सीबीआई को नहीं सौंप रही है।

15 साल की ममता बनर्जी की सरकार में केवल हुए अत्याचारः मुख्यमंत्री साय

पश्चिम बंगाल के चुनाव में उतरे सीएम साय, चार प्रत्याशियों के नामांकन रैली में हुए शामिल

रायपुर। पश्चिम बंगाल के चुनावी मैदान में इन दिनों राजनीतिक दलों का जमावड़ा उमड़ पड़ा है। इसी सिलसिले में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी आज झारग्राम जिले के नयाग्राम, गोपीबल्लवपुर, झारग्राम एवं बिनपुर विधानसभा क्षेत्रों के भाजपा प्रत्याशियों के नामांकन रैली में शामिल हुए।

इस दौरान उन्होंने कहा कि 15 साल की ममता बनर्जी की सरकार से लोग ऊब चुके हैं और यहां केवल 15 सालों में अत्याचार हुआ है, यहाँ तक की केंद्र सरकार की किसी भी योजना को अमल में नहीं लाया गया जिससे लोगों में भारी आक्रोश है। 15 वर्षों में न तो यहाँ किसी को रोज़गार मिला है न ही हमारी बहन-बेटियों को सुरक्षा मिली है। सड़कों पर उमड़े इस जनसैलाब और हर वर्ग के अपार समर्थन ने स्पष्ट कर दिया है कि पश्चिम बंगाल की धरती पर इस बार कमल खिलने जा रहा है और टीएमसी की सरकार से मुक्त होकर पूर्ण बहुमत की भाजपा सरकार बनाने जा रही है।

अब कहीं रेड कॉरिडोर नहीं, हर तरफ ग्रीन कॉरिडोर हैः मुख्यमंत्री साय

उन्होंने सर्वप्रथम देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साहसपूर्ण और दूरदर्शी नेतृत्व के प्रति आभार प्रकट किया, जिनके मार्गदर्शन, संकल्प और सतत प्रेरणा ने माओवादी हिंसा के विरुद्ध इस निर्णायक अभियान को दिशा दी।

मुख्यमंत्री साय ने वर्ष 2015 में दंतेवाड़ा में प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए उस संदेश को भी स्मरण किया, जिसमें उन्होंने हिंसा का मार्ग छोडने का आह्वान करते हुए युवाओं से मानवता के दृष्टिकोण से सोचने की प्रेरणा दी थी।

राजधानी रायपुर में इस साल बनेंगे 4 फ्लाईओवर्स शहर का ब्यस्त यातायात होगा तेज और सुव्यवस्थित

लोक निर्माण विभाग ने चारों फ्लाईओवर्स के लिए मंजूर किए हैं 360 करोड़

रायपुर। राजधानी रायपुर में इस साल 4 फ्लाईओवर्स के काम शुरू होंगे। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव के निर्देश पर विभाग ने चारों फ्लाईओवर्स के लिए कुल 360 करोड़ 35 लाख 93 हजार रुपए मंजूर किए हैं। इन फ्लाईओवर्स के निर्माण से शहर के ब्यस्त यातायात को तेज, स्मूथ और सुव्यवस्थित करने में मदद मिलेगी।

शहरवासी इनके निर्माण की मांग लंबे समय से कर रहे थे। लोक निर्माण विभाग ने शहर के बीच जी.ई. रोड पर गुरू तेज बहादुर उद्यान से तेलीबांधा के नेताजी सुभाष चौक तक फ्लाईओवर के लिए

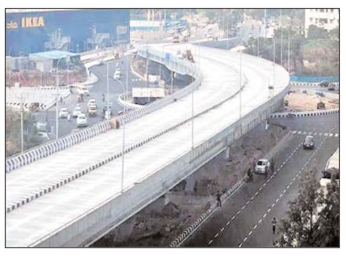

172 करोड़ 86 लाख 28 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। रायपुर के रिंग रोड क्रमांक-2 में सोनडोंगरी चौक पर ओवरपास के लिए 43 करोड़ 89 लाख 17 हजार रुपए मंजूर किए गए हैं। विभाग ने रायपुर में वी.आई.पी. रोड के फुंडहर चौक में ओवरपास के निर्माण के लिए 56 करोड़ सात लाख 35 हजार रुपए की स्वीकृति दी है। शहर के अटल पथ एक्सप्रेस-वे पर फुंडहर चौक में ग्रेड सेपरेटर के निर्माण के लिए भी लोक निर्माण विभाग द्वारा 87 करोड़ 53 लाख 13 हजार रुपए मंजूर किए गए हैं।

उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने कहा कि राज्य शासन रायपुर में यातायात को तेज, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए पूरी गंभीरता से काम कर रही है। शहर में फ्लाईओवर्स और सड़कों के चौड़ीकरण के कार्य लगातार किए जा रहे हैं।

डेढ़ करोड़ का गांजा जब्त, ओडिशा से महाराष्ट्र में थी खपाने की तैयारी, पांच तस्कर गिरफ्तार

रायपुर। नशे के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए महासमुंद पुलिस ने एक करोड़ 40 लाख 95 हजार रुपए कीमत का 281.900 किलो ग्राम (02 क्विटल 81.900 किलोग्राम) गांजा जब्त किया है.

मामले में महाराष्ट्र के पांच तस्करों को गिरफ्तार किया गया है. ओडिशा से गांजा लेकर आने की सूचना पर एन्टी नारकोटिक टास्क फोर्स एवं थाना सिंघोड़ा पुलिस की संयुक्त टीम एनएच 53 रेहटीखोल रोड पहुंच कर नाकाबंदी किए. कुछ समय बाद एक फार्चुनर (MH 12 WC 0090) एवं एक स्कार्पियो (MH 12 YH 0090) पहुंची. गाड़ी में रखी

बोरियों के संबंध में गाड़ी में सवार लोगों ने गांजा रखे होने की जानकारी दी, और गांजा को जिला फुलवानी, ओडिशा से पुणे, महाराष्ट्र ले जाना बताए. पुलिस ने गाड़ी की जांच में 1,40,95,000 रुपए कीमत का 281.900 किलो ग्राम अवैध गांजा के साथ गांजा परिवहन में प्रयुक्त फार्चुनर MH 12 WC 0090 कीमती 40,00,000 रुपए और स्कार्पियो रू॥ 12 YH 0090 कीमती 25,00,000 रुपए के साथ 4 मोबाइल मिलाकर कुल 2,06,45,000 रुपए का सामान जप्त किया. मामले में महाराष्ट्र निवासी आरोपी प्रशांत शंकर गोले पिता शंकर गोले (38 साल), क्षितिज वीरसेन जाधव पिता वीरसेन जाधव (21 साल), अक्षय नंदकुमार निगम पिता नंदकुमार निगम (27 साल), अभिषेक डेविड जगले पिता डेविड जगले (26 साल) और महेश काटकर पिता धोनडिराम काटकर (39 साल) को गिरफ्तार कुल जुमला 2,06,45,000 रुपए जब्त की।

नगर पालिका सीएमओ ने लांघी शालीनता की सीमा

पार्षद से अभद्र भाषा में की बातचीत कॉल रिकॉर्डिंग हुआ वायरल

बलरामपुर। बलरामपुर नगरपालिका में इन दिनों सियासी और प्रशासनिक टकराव खुलकर सामने आ गया है। पार्षद ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रवण राय के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए एक कथित कॉल रिकॉर्डिंग वायरल की है, जिसमें अभद्र भाषा और धमकी देने के आरोप लगाए जा रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने जिले की राजनीति और प्रशासनिक व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। बलरामपुर नगरपालिका के एक भाजपा पार्षद ने CMO प्रणव राय पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया है कि अधिकारी जनप्रतिनिधियों से अभद्र व्यवहार करते हैं, और दबाव की भाषा में बात करते हैं। पार्षद द्वारा वायरल की गई कॉल रिकॉर्डिंग में कथित रूप से धमकी और आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल सुनाई दे रहा है। वार्ड 14 पार्षद गौतम सिंह का कहना है कि यह कोई पहला मामला नहीं है। वे पहले भी कई बार CMO के खिलाफ शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे नाराज पार्षदों का कहना है कि अपने ही सरकार में उनकी सुनवाई नहीं हो रही और अधिकारी मनमानी पर उतारू हैं।

बर्फ डिपो वाले ने झाड़ा पल्ला, फैक्ट्री संचालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग

बर्फ के अंदर जमा मिला मेंढक

कोरबा। बर्फ का नाम से ठंडक का अहसास होने लगता है, लेकिन कोरबा में एक ऐसा वाकया हुआ, जिसने लोगों के तन-मन में आग लगा दी. दरअसल, घंटाघर चौपाटी स्थित जूस सेंटर में बर्फ के अंदर मेंढक जमा मिला.

बर्फ में मेंढक को देखते ही व्यापारियों का पारा चढ़ गया. बर्फ फैक्ट्री संचालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की. चौपाटी संघ के अध्यक्ष रवि वर्मा ने बताया कि चौपाटी के एक जूस सेंटर में वाकया सामने आया है. जूस सेंटर संचालक ने बताया कि निहारिका क्षेत्र स्थित एक दुकान से

बर्फ खरीद कर लाया गया था. जहां बर्फ फैक्ट्री से थोक में बर्फ लाकर बेचा जाता है. चौपाटी संघ ने मांग की कि बर्फ फैक्ट्री के संचालक और बेचने वाले के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए. वहीं बर्फ दुकान के संचालक डी गुप्ता ने बताया कि वह बर्फ का डिपो चलता है. वे कई फैक्ट्रियों से बर्फ लेकर आता है. अब कहां से बर्फ आया है, यह उसे नहीं पता. यही नहीं जिस बर्फ में मेंढक मिला है, वह उसके डिपो का है, यह भी स्पष्ट नहीं हो पा रहा है. इधर खाद्य अधिकारी विकास भगत ने घटना सामने आने की बात स्वीकार करते हुए कहा कि जहां-जहां बर्फ फैक्ट्री है, वहां जांच की जाएगी।

ईरान ने ठुकराया अमेरिका का सीजफायर ऑफर

नई दिल्ली । ईरान और अमेरिका के बीच तनाव के बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने अमेरिका की ओर से दिए गए 48 घंटे के युद्धविराम प्रस्ताव को साफ तौर पर ठुकरा दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका का यह प्रस्ताव बुधवार को एक तीसरे देश के जरिए ईरान तक पहुंचाया गया था। हालांकि, इस मध्यस्थ देश का नाम सामने नहीं आया है। इसी बीच, दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ता नजर आ रहा है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि ईरान के ऊपर गिराए गए अमेरिकी फाइटर जेट के एक क्रू मेंबर को अमेरिकी सेना ने सुरक्षित निकाल लिया है।

कांग्रेस पदाधिकारियों ने शासकीय जमीन की अवैध रूप से की खरीदी-बिक्री

कांग्रेस अपराध व अपराधियों को संरक्षण देने वाली पार्टी बन गई हैः डॉ. मार्कण्डेय

रायपुर। कांग्रेस पार्टी अपराध को बढ़ावा देने वाली एवं अपराधियों को संरक्षण देने वाली पार्टी बन गई है। कांग्रेस के पदाधिकारियों द्वारा आरंग विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत गोढ़ी की शासकीय जमीन को अवैध रूप से कांग्रेस के ही पदाधिकारियों के नाम से खरीदी-बिक्री किए जाने के सामने आए मामले को लेकर डॉ. नवीन मार्कण्डेय ने कहा कि शासकीय भूमि का अवैध रूप से खरीदी बिक्री करना एक अपराध की श्रेणी में आता है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. मार्कण्डेय ने शनिवार को यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यलय में आहूत पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि इस अवैध खरीदी बिक्री में

तत्कालीन पंचायत सचिव, सरपंच, उपसरपंच की मिलीभगत है। कांग्रेस पदाधिकारी द्वारा की गई अवैध खरीदी-बिक्री को लेकर मंदिरहसौद थाना क्षेत्र में इसकी शिकायत भी की गई है और प्रशासनिक स्तर पर इसकी जाँच भी हो रही है। डॉ. मार्कण्डेय ने बताया कि ग्राम गोढी में पूर्व सरपंच गोपाल धीवर वर्तमान में कांग्रेस सेक्टर प्रभारी आरंग है एवं उनकी पत्नी वर्तमान में जनपद सदस्य है। इनके द्वारा गांव के गैर निवासी के नाम पर शासकीय भूमि दर्ज की गई है। श्रीमती प्रगति मिश्रा (पति अनुज मिश्रा) के नाम लगभग 4 एकड़ शासकीय भूमि बिना कब्जा के अवैधानिक रूप से पंचायत में प्रस्ताव पारित कर दे दी गई है। यह शासकीय भूमि पर अवैधानिक रूप से कब्जा किया गया है। मंदिर हसौद नगर पालिका में वार्ड क्र-12 से कांग्रेस पार्षद अनुज मिश्रा पेशे से अधिवक्ता है, जिसे गलत तरीके से 20 वर्ष से काबिज दिखाकर जमीन आबंटन की गई है, वहीं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी आरंग मे महामंत्री के पद पर काबिज प्रवीण सिंह ने भी अवैध तरीके से शासकीय भूमि पर कब्जा किया है।

डॉ. मार्कण्डेय ने कहा कि शासकीय भूमि का गलत तरीके से पट्टा बनाकर उसकी खरीदी-बिक्री की गई है। जो लोग इस घटना में संदिग्ध हैं, अभी फरार हैं। कांग्रेस ने अभी तक अपने पदाधिकारियों के ऊपर किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं की है। एक राजनीतिक दल के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी होने के नाते उनके ऊपर तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए लेकिन कांग्रेस तो अपराध को बढ़ावा देकर अपराधियों को संरक्षण देने का काम करती रही है। डॉ. मार्कण्डेय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपराधियों का प्रोडक्शन हाउस बन गई है। इसका उदाहरण देते हुए सूरजपुर जिले की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि सूरजपुर में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता द्वारा एक परिवार की हत्या कर दी जाती है, उसके खिलाफ कोई कार्रवाई कांग्रेस ने नहीं की है, वहीं दूसरी ओर बलौदा बाजार में कांग्रेस के विधायक देवेंद्र यादव हिंसा फैलाकर एसपी कार्यालय में आगजनी जैसी भयावह घटना को अंजाम देते हैं उसके ऊपर भी कांग्रेस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

वन विभाग की बड़ी कार्रवाई, तेंदुए की 2 खाल के साथ 9 आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर। वन विभाग की टीम ने अंतरराज्यीय वन्यजीव तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से तेंदुए की 2 खाल बरामद की गई है।

जानकारी के अनुसार, वन मंत्री के निर्देश एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में वन अपराधों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो मध्य क्षेत्र भोपाल, राज्य उड़नदस्ता रायपुर और वनमंडल बलरामपुर की संयुक्त टीम ने 2 अप्रैल 2026 को मुखबिर की सूचना पर यह कार्रवाई की। टीम ने थाना बसंतपुर क्षेत्र के ग्राम जमई मोड़

के पास एक मोटरसाइकिल सवार दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोककर पूछताछ की। तलाशी के दौरान उनके पास से तेन्दुआ की एक खाल बरामद हुई। पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर अन्य आरोपियों को भी पकड़ा गया, जिनके पास से एक और खाल जब्त की गई। गिरफ्तार आरोपी झारखंड, उत्तरप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के निवासी बताए जा रहे हैं, जो अंतरराज्यीय स्तर पर वन्यजीव तस्करी में संलिप्त थे। सभी आरोपियों के खिलाफ वन अपराध प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। वन विभाग ने आरोपियों के विरुद्ध वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

अवैध खनन पर जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, जेसीबी सहित 5 वाहन जब्त, लगातार जारी है सख्त अभियान

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देश एवं मार्गदर्शन में जिले में अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में आज राजस्व एवं खनिज विभाग के संयुक्त दल द्वारा तहसील थान खमरिया अंतर्गत ग्राम कुरदा एवं जेवरा में शिकायत के आधार पर मौके पर पहुंचकर जांच की गई। जांच ग्राम पंचायत सरपंच एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में की गई। कार्रवाई के दौरान अवैध खनन और परिवहन में संलिप्त 1 जेसीबी मशीन, 2 हाईवा वाहन एवं ईंट से भरा 1 स्वराज मासदा वाहन जब्त किया गया। इन सभी वाहनों को सुरक्षार्थ थाना थान खमरिया में खड़ा किया गया है। इसके अलावा अवैध परिवहन के एक अन्य प्रकरण में रेत से भरा 1 हाईवा वाहन भी जब्त कर थाना बेरला में सुरक्षित रखा गया है, जिस पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पूर्व कार्रवाई में भी जब्ती–बीते दिवस भी प्रशासन द्वारा सख्त कदम उठाते हुए अवैध परिवहन में संलिप्त दो गिट्टी से भरी हाईवा गाड़ियां जब्त कर थाना बेरला में खड़ी कराई गई थीं। इन मामलों में भी विधिसम्मत कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। शिकायत स्थल पर उत्खनन बंद मिला, ग्राम कुरदा में ही एक अन्य शिकायत के आधार पर जब संयुक्त दल द्वारा निरीक्षण किया गया, तो वहां अवैध उत्खनन और परिवहन पूरी तरह बंद पाया गया। इससे स्पष्ट है कि प्रशासन की सख्ती का प्रभाव क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए आगे भी इसी प्रकार निरंतर और सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील की है

कि वे ऐसी गतिविधियों की सूचना तुरंत दें, ताकि समय पर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।जिले में अवैध खनन के खिलाफ चल रही इस लगातार कार्रवाई से नियमों का उल्लंघन करने वालों पर प्रशासन आवश्यक कार्यवाही करेगी।

मंत्री गुरु खुशवंत की पहल से छत्तीसगढ़ के 585 शासकीय स्कूलों की बदलेगी सूरत: 40 करोड़ से होंगे विकास कार्य

रायपुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में तकनीकी शिक्षा मंत्री माननीय गुरु खुशवंत साहेब जी के मार्गदर्शन में एक बड़ा निर्णय लिया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राज्य के 585 शासकीय स्कूलों में लघु निर्माण एवं मरम्मत कार्यों हेतु ?40 करोड़ 9 लाख 5 हजार की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। माननीय मंत्री गुरु साहेब जी ने कहा की प्रदेश के विद्यार्थियों को सुरक्षित, आधुनिक एवं सुविधायुक्त शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है। इसी उद्देश्य से यह महत्वपूर्ण पहल की गई है। योजना के अंतर्गत 374 प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय तथा 211 हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में व्यापक स्तर पर अधोसंरचना विकास कार्य किए जाएंगे।

इन कार्यों पर रहेगा विशेष फोकस

* स्कूल परिसरों की सुरक्षा के लिए बाउंड्री वॉल निर्माण
* विद्यार्थियों हेतु प्रार्थना शेड का निर्माण
* किचन शेड एवं शौचालयों का निर्माण एवं नवीनीकरण
* विद्यालय भवनों का रिनोवेशन एवं सुधार

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु शासन द्वारा मानक दरें निर्धारित की गई हैं। बाउंड्री वॉल के लिए ?8000 प्रति मीटर, जबकि प्रार्थना शेड के लिए विद्यालय स्तर के अनुसार ?5 लाख से ?10 लाख तक का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, प्राथमिक से लेकर हायर सेकेंडरी स्कूलों तक रिनोवेशन के लिए ?3.70 लाख से ?9.25 लाख तक की राशि स्वीकृत की गई है। किचन शेड सुधार हेतु ?1.34 लाख एवं शौचालयों के कायाकल्प के लिए ?3.12 लाख का प्रावधान रखा गया है। प्रार्थना शेड का निर्माण विद्यार्थियों की संख्या एवं उपलब्ध भूमि के आधार पर किया जाएगा, जिसमें प्राथमिक स्कूलों के लिए 70 वर्गमीटर, मिडिल स्कूलों के लिए 100 वर्गमीटर तथा हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों के लिए 150 वर्गमीटर तक का प्रावधान है। गुरु साहेब जी ने आगे कहा कि प्रदेश में शिक्षा क्षेत्र को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है। यह पहल न केवल स्कूलों की आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाएगी, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

धारदार हथियार लहराकर लोगों में दहशत फैलाने वाला युवक गिरफ्तार, चाकू बरामद

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस लगातार सतर्कता बरत रही है। इसी कड़ी में सिटी कोतवाली जांजगीर पुलिस ने धारदार हथियार लहराकर आम लोगों को भयाक्रांत करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 04 अप्रैल 2026 को सिटी कोतवाली पुलिस की टीम पेट्रोलिंग पर रवाना थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि देसी शराब दुकान जांजगीर के पास एक युवक लोहे का धारदार हथियार लहराकर आने-जाने वाले लोगों को डरा-धमका रहा है। सूचना मिलते ही मामले की जानकारी जिले के पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप एवं सीएसपी कोतवाली योगिताबाली खापर्डे को दी गई, जिनके निर्देश पर तत्काल कार्रवाई के आदेश दिए गए। थाना प्रभारी जयप्रकाश गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर देसी शराब दुकान के पास से एक युवक को घेराबंदी कर पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम हिमांशु उर्फ मोनू डहरिया पिता विनोद डहरिया, उम्र 21 वर्ष, निवासी भाठापारा केरा रोड जांजगीर बताया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 01 नग चाकू बरामद किया गया। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध धारा 25 एवं 27 आर्म्स एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में निरीक्षक जयप्रकाश गुप्ता थाना प्रभारी सिटी कोतवाली, प्रधान आरक्षक आलोक शर्मा, प्रकाश राठौर, आरक्षक दिलीप सिंह,शंकर राजपूत एवं लीला राम साहू का विशेष योगदान रहा।

कलेक्टर ने जांजगीर-नैला में प्रगतिरत जल आवर्धन योजना का किया निरीक्षण

हसदेव नदी से घर–घर पहुंचेगा शुद्ध पेयजल

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप जिले में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु संचालित प्रगतिरत जल आवर्धन योजना के कार्यों का आज कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने स्थल निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, निर्धारित समय-सीमा तथा तकनीकी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करते हुए सुनियोजित कार्ययोजना के अनुसार कार्य पूर्ण किया जाए। इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत पाइपलाइन विस्तार, 9.30 लाख लीटर एवं 24.50 लाख लीटर क्षमता के ओवरहेड टैंकों का निर्माण तथा वार्डों में घर-घर जल कनेक्शन प्रदान किए जाने का कार्य शामिल है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बिरगहनी स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का भी अवलोकन किया। उन्होंने जल शोधन की प्रक्रियाओं, मशीनरी इंस्टॉलेशन, फिल्ट्रेशन सिस्टम एवं परीक्षण कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कार्यों में किसी प्रकार की तकनीकी त्रुटि न हो तथा नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्माण एजेंसियों को अनावश्यक विलंब से बचते हुए निर्धारित समय-सीमा नवंबर 2027 तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि योजना पूर्ण होने पर जांजगीर-नैला में हसदेव नदी से नियमित एवं शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित होगी, जिससे नागरिकों को पेयजल का स्थायी समाधान मिलेगा।

12वीं बोर्ड परीक्षा को लेकर बीजापुर में बैठक, केंद्र अधीक्षकों को सख्त निर्देश

बीजापुर/मूक पत्रिका

12वीं बोर्ड परीक्षा को लेकर जिले में तैयारी तेज कर दी गई है। इसी कड़ी में सभी परीक्षा केंद्र अधीक्षकों की एक जरूरी बैठक आयोजित की गई, जिसमें साफकहा गया कि परीक्षा में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक जिला शिक्षा अधिकारी लखन लाल धनेलिया की मौजूदगी में स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, बीजापुर में हुई। इसमें मास्टर ट्रेनर्स और सभी केंद्र अधीक्षक शामिल रहे। बैठक में छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के दिशा-निर्देशों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने कहा कि हर केंद्र पर नियमों का सख्ती से पालन होना चाहिए, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से हो सके। खास तौर पर ÷वन टाइम लॉक÷ सिस्टम को लेकर निर्देश दिए गए। बताया गया कि प्रश्न पत्र की सुरक्षा के लिए यह बहुत जरूरी है, इसलिए इसमें किसी तरह की गलती नहीं होनी चाहिए। अधिकारियों ने यह भी कहा कि परीक्षा के दौरान निगरानी व्यवस्था मजबूत रखी जाए और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी हो।

अंत में सभी केंद्र अधीक्षकों को साफ निर्देश दिया गया कि वे पूरी जिम्मेदारी के साथ काम करें, ताकि परीक्षा बिना किसी गड़बड़ी के संपन्न हो सके।

जैजैपुर व्यवहार न्यायालय निर्माण कार्य का सक्ति जिला सत्र न्यायाधीश किया निरीक्षण

गुणवत्ताहीन कार्य करने के लिए ठेकेदार व सब इंजीनियर को दिया हिदायत

सक्ती/जैजैपुर/मूक पत्रिक

बीते 31.03.2026 को जैजैपुर के निर्माणाधीन व्यवहार न्यायालय का निरीक्षण माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री जयदीप गर्ग ने किया तो वही साथ में उपस्थित प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमान शैलेन्द्र चौहान एवं मूख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रवीण मिश्रा एवं व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी श्रीजेश खलखो महोदय के उपस्थिति में निरीक्षण किया गया। जिसमे प्रधान जिला न्यायाधीश महोदय के द्वारा निर्माणाधीन नवीन व्यवहार न्यायालय के निरीक्षण के दौरान उपस्थित ठेकेदार एवं सब इंजीनियर को निर्देषित किया गया की भवन निर्माण मे किसी भी प्रकार की लापरवाही बरती नही जावेगी साथ-साथ शौचलय निर्माण वाटर हार्वेसिंट बोर वेल गार्डन के साथ साथ भवन निर्माण के उपयोग लाये जा रहे समाग्री के बारे जायजा लिया गया और ठेकेदार एवं सब इंजिनियर को भवन निर्माण की कार्यवाही जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देष दिया गया और साथ ही साथ वर्तमान में संचालित व्यवहार न्यायालय का भी निरीक्षण किया गया एवं न्यायालयीन कार्यो के बारे जायजा लिया और न्यायालयीन कार्य समय सीमा मे समाप्त करने का निर्देष दिया गया ।

सफलता की कहानी: दूरस्थ गांवों तक बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाकर बदलाव ला रही हैं रिंगो कश्यप

कोण्डागांव/मूक पत्रिका

मर्दापाल तहसील के अंतर्गत जिले के अंतिम छोर पर स्थित सुदूर ग्राम कुधुर, जो कभी माओवाद के प्रभाव के कारण विकास की मुख्यधारा से दूर था, आज परिवर्तन की नई कहानी लिख रहा है। जहां कभी ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं की राशि निकालने के लिए लगभग 20 किलोमीटर दूर मर्दापाल के बैंक तक जाना पड़ता था, वहीं अब गांव में ही बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। यह परिवर्तन संभव हुआ है राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की पहल और बीसी सखी के रूप में कार्यरत श्रीमती रिंगो कश्यप के प्रयासों से। ग्राम पंचायत कुधुर के गुमियापाल पारा की निवासी रिंगो कश्यप न केवल कुधुर, बल्कि तुमड़ीवाल और टेकापाल के ग्रामीणों को भी घर-घर बैंकिंग सेवाएं प्रदान कर रही हैं। रिंगो कश्यप ने वर्ष 2020 में ÷मां पार्वती स्व सहायता समूह÷ से जुड़कर अपनी यात्रा शुरू की। इसके बाद वर्ष 2024 में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर उन्होंने बीसी सखी के रूप में कार्य प्रारंभ किया।

आज उनके माध्यम से ग्रामीणों को महतारी वंदन योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी विभिन्न शासकीय योजनाओं की राशि गांव में ही आसानी से प्राप्त हो रही है। इसके साथ ही बिजली बिल भुगतान और अन्य वित्तीय लेनदेन भी सरल हो गए हैं। अब तक रिंगो कश्यप द्वारा 355 से अधिक सफल लेनदेन किए जा चुके हैं, जिनकी कुल राशि 6 लाख 75 हजार रुपये से अधिक है। इस कार्य ने न केवल ग्रामीणों की समस्याओं को कम किया है, बल्कि रिंगो कश्यप के लिए भी स्व-रोजगार का सशक्त माध्यम बना है। उन्होंने स्व-सहायता समूह से ऋण लेकर एक छोटा किराना दुकान भी शुरू किया है, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वर्तमान में उन्हें प्रतिमाह लगभग 10 हजार रुपये की आय हो रही है, और भविष्य में वे अपने व्यवसाय को और विस्तार देना चाहती हैं। रिंगो कश्यप जैसी महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से दूरस्थ क्षेत्रों में विकास को नई दिशा मिल रही है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से स्व-सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं, बल्कि समाज में अपनी एक नई पहचान भी स्थापित कर रही हैं।

बॉलीवुड की नवीनतम संगीतमय संवेदना: सोनिये हिरिये दर्शकों को मोहित करने के लिए तैयार

जित मुम्बई/मूक पत्रिका

भारतीय फिल्म उद्योग में 4 अप्रैल को रिलीज़ होने वाले रोमांटिक संगीत वीडियो सोनिये हिरिये के आगामी लॉन्च के साथ गुलजार है। यह अत्यधिक प्रतीक्षित परियोजना प्रसिद्ध संगीत निर्देशक दिलीप सेन द्वारा आई.एम.पी.पी.ए ऑडिटोरियम, ओशिवारा में लॉन्च हुआ और इसमें कई प्रतिभाशाली मेहमानों की मौजूदगी रही जनमें

***स्टार-स्टडेड लॉन्च इवेंट**–लॉन्च इवेंट एक स्टार-स्टडेड मामला होने का वादा करता है, जिसमें प्रसिद्ध अभिनेता और लेखक लिलिपुट (मिर्जापुर), स्टैंडअप कॉमेडियन रहमान खान (द कपिल शर्मा शो), प्रतिष्ठित गीतकार और निर्देशक पंची जालौनवी (ऑडियो करी म्यूजिक कंपनी), और निर्माता और सम्मानित अतिथि हैदर रिजवी एवम प्रसिद्ध फिल्म निर्मात्री और लेखिका रीता दास भी इस आयोजन में उपस्थित रहीं।

***परियोजना के पीछे रचनात्मक दिग्गज**–संगीत वीडियो में प्रतिभाशाली कनिका वैश और अमित चौहान मुख्य भूमिकाओं में हैं, जिसका निर्देशन आशीष श्रीवास्तव ने किया है। परियोजना के रचनात्मक निर्देशन और उत्पादन की देखरेख परवेज़ खान कर रहे हैं जो खुद इसके निर्माता भी हैं और इसके जन संपर्क का काम सुशीलाजीत साहनी जीत पेज वन नेटवर्क एवम सतरंगी मिडिया पि.आर सर्विसेज कर रही हैं।

चालान नहीं कटना चाहिए क्योंकि हम भाजपा से हैं—थाना में गूंजा सत्ता का अहंकार

थाना में भाजपा कार्यकर्ताओं की दबंगई, चालान को लेकर पुलिस से तीखी बहस, कानून को दी गई खुली चुनौती

चांपा/मूक पत्रिका

थाना चांपा परिसर में उस समय तनावपूर्ण माहौल बन गया, जब एक भाजपा कार्यकर्ता की मोटरसाइकिल का चालान किए जाने पर बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी से जुड़े नेता और कार्यकर्ता थाना पहुंच गए। चालान की कार्रवाई को लेकर न सिर्फविरोध किया गया, बल्कि पुलिस पर दबाव बनाते हुए कथित रूप से चेतावनी भरे शब्द भी कहे गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस द्वारा मोटर व्हीकल एक्ट के तहत नियमित जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर एक युवक की मोटरसाइकिल का चालान किया गया। चालान कटते ही संबंधित युवक के भाजपा कार्यकर्ता होने की बात सामने आई, जिसके बाद भाजपा नेता व कार्यकर्ता एकजुट होकर थाना पहुंच गए और कार्रवाई पर आपत्ति जताने लगे। भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना था कि पार्टी से जुड़े किसी भी व्यक्ति का चालान नहीं काटा जाना चाहिए, चाहे अधिकारी कोई भी क्यों न हो। इस दौरान कुछ लोगों ने पुलिस से तीखी बहस की और कथित तौर पर यह तक कहा कि ÷हमारे पास आप सभी पुलिसकर्मियों का पूरा डेटा है।÷ इस बयान को सीधे तौर पर कानून व्यवस्था को धमकी देने के रूप में देखा जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, थाना परिसर में कुछ समय तक हालात बेहद तनावपूर्ण बने रहे। पुलिस अधिकारियों ने संयम बरतते हुए सभी को समझाइश दी और स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस का स्पष्ट कहना है कि कानून सभी के लिए समान है और नियमों का उल्लंघन करने पर किसी को भी विशेष छूट नहीं दी जा सकती। घटना के बाद शहर में इस मामले को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। नगरवासियों के बीच भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं की इस तरह की दादागिरी को लेकर नाराजगी देखी जा रही है। कई लोग इसे ÷ट्रिपल इंजन सरकार÷ के कथित असर से जोड़कर देख रहे हैं, तो वहीं कुछ इसे सत्ता के नशे में कानून को जेब में रखने की कोशिश बता रहे हैं। थाना में हुई इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या राजनीतिक पहचान कानून से ऊपर है, या फिर नियम सभी के लिए समान रहेंगे। फिलहाल, पुलिस अपने रुख पर कायम है और कानून के अनुसार कार्रवाई की बात कह रही है। हमारे कार्यकर्ता के रिश्तेदार को पकड़ा था जो सब्जी बेचने का काम करता है हमारे द्वारा पुलिस को कहा गया कि वह गरीब आदमी है हो सके तो छोड़ दीजिए।

चालानी कार्रवाई को लेकर नही बल्कि पुलिस के द्वारा अभद्र व्यवहार को लेकर थाना पहुँचे थे उनके द्वारा बदसलूकी से बात किया गया था जिसे लेकर हम थाना पहुँचे थे।हमारे द्वारा पुलिस की कार्रवाई पर कभी हस्तक्षेप नही किया जाता - संतोष थवाईत,भाजपा मंडल अध्यक्ष, चांपा

कानून सबके लिए बराबर है। पुलिस समय समय पर दुर्घटना रोकने के उद्देश्य से इस तरह कार्रवाई करती है। इसमें सबको सहयोग करना चाहिए। सरकार का धौस दिखाकर पुलिस को धमकाना उचित नहीं है - नागेंद्र गुप्ता,जिला प्रवक्ता, कांग्रेस। ...

भाजपा कार्यकर्ता कुछ गलतफ्हमी की वजह से थाना आए हुए थे। बाद में सब क्लीयर हो गया। कानून सबके लिए बराबर है,बिना नंबर प्लेट गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई है - सत्यम चौहान,प्रभारी थाना चांपा ...

रामायणम् का भव्य आगाज़

भारतीय सिनेमा की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक रामायणम् ने आखिरकार अपनी पहली झलक पेश कर दी है और यह झलक आते ही इंटरनेट पर छा गई। इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम के किरदार में नजर आ रहे हैं। उनकी यह पहली झलक फैंस के दिलों में उतरती दिख रही है। टीज़र में दिखाया गया भव्य विजुअल, गहराई से भरी भावनाएं और राम के चरित्र की सादगी ने इसे सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक भावनात्मक अनुभव बना दिया है।

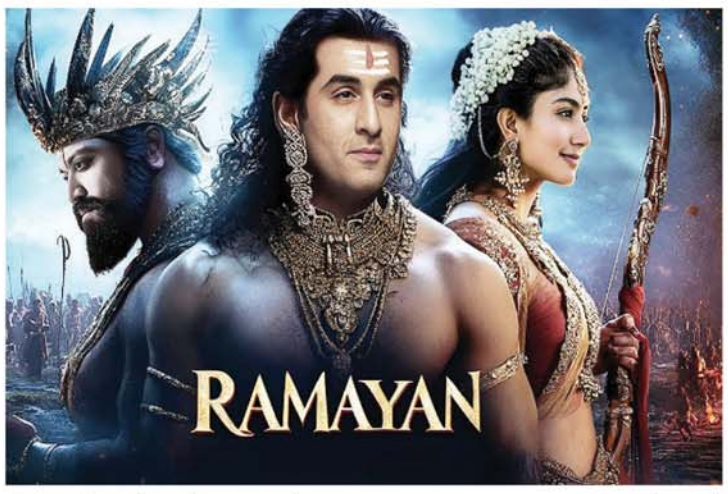

नमित मल्होत्रा और नितेश तिवारी का ड्रीम प्रोजेक्ट

इस भव्य प्रोजेक्ट को नमित मल्होत्रा प्रोड्यूस कर रहे हैं, जबकि निर्देशन की कमान नितेश तिवारी के हाथ में है। यह फिल्म दो भागों में बनाई जा रही है और इसे ग्लोबल स्तर पर पेश करने की तैयारी है। फिल्म को प्राइम फोकस स्टूडियोज, ऑस्कर विजेता VFX कंपनी DNEG और यश की कंपनी मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस मिलकर बना रही हैं, जिससे इसके विजुअल्स का स्तर बेहद ऊंचा होने वाला है।

एक ग्लोबल मोमेंट, पूरी दुनिया में गूंज

'रामायणम्' का टीजर सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में एक साथ रिलीज किया गया, जिससे यह एक ग्लोबल इवेंट बन गया। 5,000 साल पुरानी इस कथा को नए अंदाज में पेश करने का प्रयास दर्शकों को एक अलग अनुभव देने वाला है। नई पीढ़ी के लिए यह पहली बार इस महागाथा से जुड़ने का मौका है। राम सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि आदर्शों का प्रतीक हैं। एक ऐसा नायक जो अपनी इच्छाओं से पहले अपने कर्तव्य को रखते हैं, जो सही के लिए हर त्याग करने को तैयार रहते हैं। 'मर्यादा पुरुषोत्तम' के रूप में जाने जाने वाले राम का चरित्र आज भी उतना ही प्रासंगिक है, चाहे वह वनवास हो, परिवार से दूर रहना हो या अन्याय के खिलाफ खड़े होना, हर स्थिति में उनका धैर्य और निर्णय उन्हें महान बनाता है।

पोस्टपोन हुई अक्षय कुमार की 'भूत बंगला'

पिछले कुछ समय से ऐसी चर्चा चल रही थी कि मेकर्स ने अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म 'भूत बंगला' को 10 अप्रैल से पोस्टपोन कर दिया है। कहा जा रहा था कि अब ये फिल्म 17 अप्रैल को रिलीज होगी। पर इस बारे में मेकर्स की तरफ से कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है। पर अब मेकर्स ने भी कंफर्म कर दिया है कि 'भूत बंगला' की रिलीज एक हफ्ते के लिए टल चुकी है। यानी 10 अप्रैल की जगह अब 17 अप्रैल को ये पिक्चर सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। ये फैसला रणवीर सिंह की हालिया रिलीज फिल्म 'धुरंधर 2' की सफलता को देखते हुए लिया गया है। दरअसल, आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म कर रही है। सिर्फ 14 दिनों में ये पिक्चर वर्ल्डवाइड 1466.47 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर चुकी है। वहीं ऐसा लग रहा है कि आने वाले कुछ समय तक इस फिल्म की सफलता बॉक्स ऑफिस पर जारी रहने वाली है।इसी वजह से अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' को पोस्टपोन कर दिया गया है, क्योंकि इससे दोनों फिल्मों को फायदा होगा।

सौरव गांगुली की बायोपिक की शूटिंग शुरू

एक्टर राजकुमार राव ने पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली की बायोपिक की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसका टाइटल 'दादा' रखा गया है।

इसकी जानकारी देते हुए बुधवार को राजकुमार ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, "और यह शुरू होता है... एकमात्र दादा।" बता दें कि बायोपिक को लव रंजन प्रोड्यूस और विक्रमादित्य मोटवाने डायरेक्ट कर रहे हैं। इससे पहले सौरव गांगुली ने बताया था कि फिल्म में उनका रोल राजकुमार राव निभाएंगे, हालांकि डेट्स की समस्या के कारण फिल्म को रिलीज होने में एक साल से अधिक समय लग सकता है। राजकुमार राव जल्द ही एक और बायोपिक 'निकम' में नजर आएंगे, जो वकील उज्ज्वल निकम की जिंदगी पर आधारित है। इसके अलावा वे 'रफ्तार' में दिखाई देंगे, जिसमें कीर्ति सुरेश भी हैं। यह फिल्म 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

गांगुली सबसे महान ODI बल्लेबाजों में से एक हैं

सौरव गांगुली ने भारत के लिए 113 टेस्ट और 311 वनडे (ODI) मैच खेले। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय करियर में कुल 18,575 रन बनाए, जिसमें वनडे में 11,363 और टेस्ट में 7,212 रन शामिल हैं। गांगुली वनडे क्रिकेट के इतिहास में 11,000 से अधिक रन बनाने वाले दुनिया के चुनिंदा बल्लेबाजों में से एक हैं। कप्तान के तौर पर उन्होंने भारत को 21 टेस्ट जीत दिलाई और 2003 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल तक पहुंचाया। गांगुली ने 2008 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था।

'क्वीन 2' में कंगना रनोत नजर आएंगी

कंगना रनोत की फिल्म 'क्वीन' के सीक्वल की तैयारी शुरू हो गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया कि कंगना और डायरेक्टर विकास बहल 'क्वीन 2' की शूटिंग अप्रैल के अंत तक शुरू करेंगे। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि फिल्म की कहानी पहली फिल्म का सीधा सीक्वल नहीं होगी, बल्कि यह खुद को खोजने और आत्मनिर्भरता के विषयों को दिखाएगी। इस बार कंगना का किरदार रानी छोटे शहर की नहीं, बल्कि शहर में रहने वाली लड़की होगी।

कहानी में रानी एक ऐसी स्थिति का सामना करेगी, जो उसे खुद को खोजने के सफर पर ले जाएगी। फिल्म में दिखाया जाएगा कि वह अपनी पहचान, समझ और हिम्मत से जिंदगी की मुश्किलों का सामना कैसे करती है। इस बार उसका सफर उसे भारत के अलग-अलग शहरों में ले जाएगा।फिल्म में कंगना के अलावा पहली फिल्म के कलाकार जैसे राजकुमार राव और लीजा हेडन नजर नहीं आएंगे। बताया जा रहा है कि सपोर्टिंग रोल्स के लिए थिएटर कलाकारों को चुना गया है।

शूटिंग की शुरुआत मुंबई के एक स्टूडियो में होगी, जहां उत्तर भारतीय शहर और रानी के घर के सेट तैयार किए जाएंगे। इसके बाद टीम अन्य मेट्रो शहरों में शूटिंग करेगी। फिल्म की शूटिंग लगभग तीन महीने में पूरी की जाएगी।

शानदार काम करने में सक्षम हैं आदित्य धर: विवेक अग्निहोत्री

बॉलीवुड फिल्म निर्माता आदित्य धर की स्पाई-एक्शन थ्रिलर फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज'को दर्शकों और समीक्षकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। इसकी कहानी, एक्शन सीक्वेंस और तकनीकी पक्ष की खूब सराहना हो रही है। हाल ही में अब मशहूर निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने भी फिल्म की खुलकर प्रशंसा की है। सोशल मीडिया के जरिए अग्निहोत्री ने फिल्म और इसकी पूरी टीम को बधाई देते हुए अपनी प्रतिक्रिया साझा की।

उन्होंने बताया कि वे पिछले कुछ दिनों से कैलिफोर्निया के एक गांव में थे, जिसकी वजह से फिल्म नहीं देख पाए थे। बाद में उन्होंने खास तौर पर लॉस एंजेलिस जाकर इस फिल्म को देखा। फिल्म देखने के बाद उन्होंने इसे बेहद प्रभावशाली बताया और कहा कि यह इतनी बेहतरीन है कि उस पर कुछ और कहना अनावश्यक लगेगा। अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा कि आदित्य धर ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वे सिनेमा के माध्यम से शानदार काम करने में सक्षम हैं। उन्होंने फिल्म की पूरी टीम के प्रयासों की सराहना की, लेकिन विशेष रूप से दो तकनीकी पहलुओं को उजागर किया।

विवेक ने फिल्म की सिनेमैटोग्राफी और प्रोडक्शन डिजाइन को विश्वस्तरीय बताते हुए इन क्षेत्रों में काम करने वाले कलाकारों की तारीफ की। उन्होंने खासतौर पर सिनेमैटोग्राफी के लिए विकास के कैमरा वर्क को सराहा और प्रोडक्शन डिजाइन के लिए सैनी जोहराय के काम को उल्लेखनीय बताया। उनके अनुसार, सिनेमा में कैमरा और प्रोडक्शन डिजाइन एक-दूसरे के पूरक होते हैं और जब इन दोनों में बेहतरीन तालमेल होता है, तभी कोई फिल्म वास्तव में उत्कृष्ट बनती है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म में इन दोनों विभागों का समन्वय नई मिसाल पेश करता है। विवेक अग्निहोत्री ने आदित्य धर को एक सुझाव भी दिया और कहा कि वे अपने काम को लेकर सजग रहें, क्योंकि फिल्म इंडस्ट्री का सिस्टम कई बार चुनौतीपूर्ण और आकर्षक दोनों हो सकता है। उन्होंने पूरी टीम को 'धुरंधर' बताते हुए सभी के काम की सराहना की।

मर्दानी 3' ओटीटी पर भी सुपरहिट, नेटफ्लिक्स इंडिया पर बनी नंबर 1 फिल्म

वियश राज फिल्म्स की सुपरहिट फिल्म मर्दानी 3, नेटफ्लिक्स इंडिया पर नंबर 1 फिल्म बन गई है। रानी मुख़र्जी की फिल्म 'मर्दानी 3' की सफलता ने इस ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइज़ी की तीनों फिल्मों को टॉप 10 फिल्मों की सूची में जगह दिला दी है। आज सुबह तक, 'मर्दानी 3' (2026) नंबर 1 स्थान पर है, पहली 'मर्दानी' (2014) नंबर 5 पर और 'मर्दानी 2' (2019) नंबर 7 पर नेटफ्लिक्स इंडिया पर ट्रेंड कर रही हैं। यह इस बेहद सराही गई फ्रेंचाइज़ी के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, जो देश की एकमात्र सफल महिला-प्रधान फिल्म फ्रेंचाइज़ी भी है। 'मर्दानी 3' ने भारत में 53 करोड़ रुपये से अधिक का नेट कलेक्शन किया और यह इस फ्रेंचाइज़ी की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई। इसके साथ ही, इसने सिनेमाघरों में 50 दिन पूरे किए, जो आज के समय में किसी भी फिल्म के लिए एक दुर्लभ उपलब्धि मानी जाती है। ओपनिंग डे पर 'मर्दानी 3' ने सभी उम्मीदों को पार करते हुए मर्दानी फ्रेंचाइज़ी और रानी मुखर्जी की सोलो फिल्म के लिए सबसे बड़ी ओपनिंग दर्ज की। फिल्म ने पहले दिन चार करोड़ रुपये का कलेक्शन कर भारत में महिला-प्रधान फिल्मों के लिए एक शानदार शुरुआत की थी। इंडस्ट्री विश्लेषकों का मानना है कि 'मर्दानी' फिल्मों के आसपास बढ़ती चर्चा थिएट्रिकल रिलीज़ और ओटीटी प्लेटफॉर्म के बीच बढ़ते तालमेल को दर्शाती है, जहां मजबूत वर्ड-ऑफ-माउथ और क्रिटिकल सराहना पाने वाली फिल्में स्ट्रीमिंग पर लंबे समय तक दर्शकों को आकर्षित करती हैं। इस फ्रेंचाइज़ी की सफलता यह भी साबित करती है कि मजबूत कहानी और दमदार महिला किरदारों वाली भारतीय फिल्मों की स्थानीय और वैश्विक स्तर पर बड़ी मांग है। 'मर्दानी' फ्रेंचाइज़ी कहानी कहने की उत्कृष्टता और दर्शकों से जुड़ाव का एक बेंचमार्क बन चुकी है और भारतीय सिनेमा की सबसे प्रभावशाली सीरीज में अपनी मजबूत जगह बना चुकी है।

अक्षय कुमार ने बजरंग बाण गाना का निर्माण किया

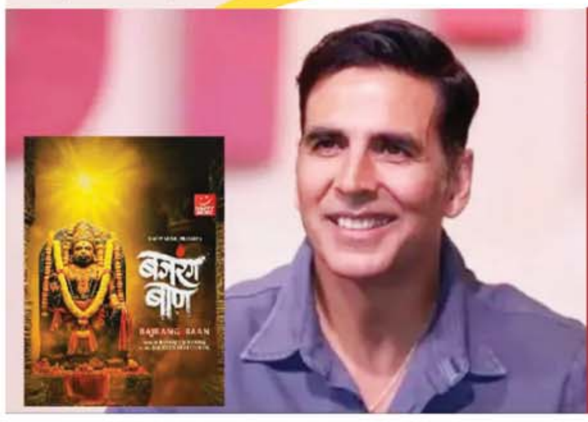

बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार ने हनुमान जयंती के अवसर पर गाना बजरंग बाण का निर्माण किया है। रसराज जी महाराज की भावपूर्ण और गहरी आवाज़ में प्रस्तुत 'बजरंग बाण' भगवान हनुमान के शाश्वत स्वरूप शक्ति, सेवा और अटूट विश्वास से प्रेरित है। इस प्रस्तुति को और खास बनाता है इसका संतुलित तरीके से किया गया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग। अक्षय कुमार ने इस गाने को इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए लिखा,"जहां विश्वास है, वहां सेतु बनते हैं। शक्ति, सेवा और समर्पण - यही है बजरंग बाण का भाव। जय श्री राम । ॐ श्री हनुमते नमः"

संजय दत्त स्टारर 'आखरी सवाल', का टीजर हुआ रिलीज

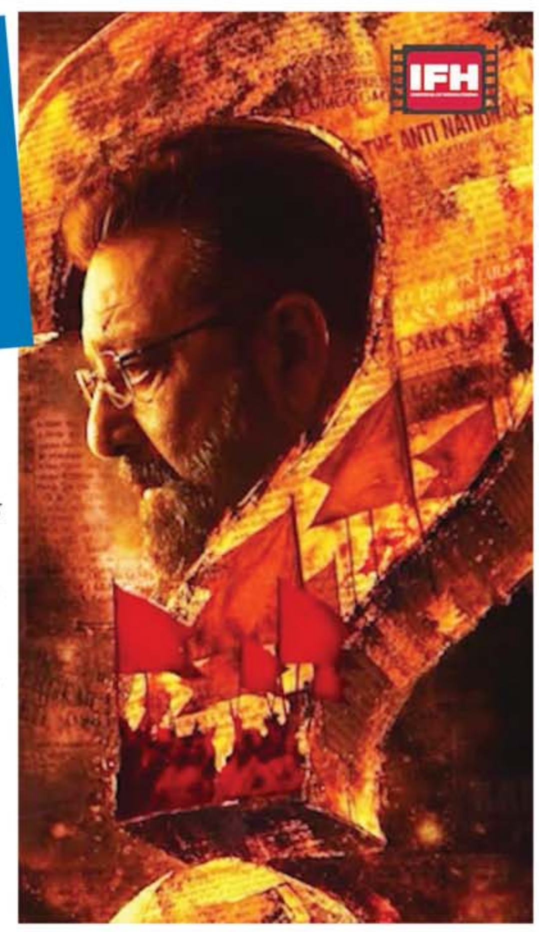

बॉलीवुड स्टार संजय दत्त स्टारर 'आखरी सवाल', का टीजर रिलीज़ हो गया है। नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्म मेकर अभिजीत मोहन वारंग के निर्देशन में बनी फिल्म 'आखरी सवाल' में संजय दत्त मुख्य भूमिका में हैं और इसे निखिल नंदा ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म का टीज़र रिलीज हो गया है। महात्मा गांधी के निधन के बाद लगाए गए बैन से लेकर बाबरी मस्जिद ढहाने के आरोपों तक, 'आखरी सवाल' ऐसे गंभीर सवाल उठाती है जिनके जवाब लोग लंबे समय से ढूंढ रहे हैं। संजय दत्त के साथ-साथ अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी, नीतू चंद्रा और त्रिधा चौधरी जैसे शानदार कलाकारों से सजी 'आखरी सवाल' उन फिल्मों में से एक है जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कहानी विक्की की है, जो एक होनहार लेकिन थोड़ा गुस्सैल स्कॉलर है और प्रोग्रेसिव इंडिया का एक महत्वाकांक्षी युवा है। विक्की अपनी थीसिस रिजेक्ट होने के बाद अपने गुरु प्रोफेसर गोपाल नडकर्णी पर पक्षपात का आरोप लगाता है। जो शुरू में एक निजी एकेडमिक विवाद होता है, वो बाद में नेशनल टेलीविजन पर होने वाली बहस में बदल जाता है। यह फिल्म भारत के युवाओं के मन में उठने वाले सुलगते सवालों उनकी उम्मीदों, शंकाओं और ऐतिहासिक घटनाओं व तथ्यों के जरिए सच की उनकी तलाश को दिखाती है।

फिल्म के केंद्र में गुरु-शिष्य के बीच का एक जबरदस्त टकराव है, जहाँ विक्की की लगातार पूछताछ एक गहरे व्यक्तिगत मकसद का खुलासा करती है। आखिर में, उसका 'आखरी सवाल' एक सदी पुराने ऐसे राज से पर्दा उठाता है जो या तो प्रोफेसर को सही साबित कर सकता है या उन दोनों को बर्बाद।

'निखिल नंदा मोशन पिक्चर्स' के बैनर तले बनी यह फिल्म निखिल नंदा द्वारा पेश की जा रही है, जिन्होंने जियो हॉटस्टार और अन्य प्लेटफॉर्म्स के लिए कई प्रोजेक्ट्स किए हैं। 'आखरी सवाल' को निखिल नंदा और संजय दत्त ने प्रोड्यूस किया है, जबकि पुनीत नंदा, डॉ. दीपक सिंह, गौरव दुबे और उज्जवल आनंद इसके को-प्रोड्यूसर हैं।

हॉरर फिल्म 'बारह नंबर' की शूटिंग जून में होगी शुरू

विबॉलीवुड अभिनेता-कॉमेडियन और फिल्ममेकर वीर दासकी कंपनी ज़ाजू प्रोडक्शंस की हॉरर फिल्म 'बारह नंबर' की शूटिंग जून में शुरू होगी। अपनी पहली डायरेक्टोरियल फिल्म हैप्पी पटेलः खतरनाक जासूस के बाद, अभिनेता-कॉमेडियन-फिल्ममेकर वीर दास अब एक नए क्रिएटिव स्पेस में कदम रखने जा रहे हैं। उन्होंने अपनी पहली फाउंड-फुटेज हॉरर फिल्म का ऐलान किया है, जो उनके करियर में एक बड़ा बदलाव दर्शाती है।

आने वाली फिल्म बारह नंबर में वीर दास एक बार फिर कवी शास्त्री के साथ काम करेंगे, जहां दोनों मिलकर इस फिल्म का निर्देशन करेंगे। अपनी अलग तरह की कहानी कहने की शैली और मज़बूत क्रिएटिव समझ के लिए जाने जाने वाले ये दोनों इस बार हॉरर जॉनर को एक नए अंदाज़ में पेश करने वाले हैं, जिसमें कहानी को गहराई और प्रभावशाली तरीके से दिखाया जाएगा। फिल्म बारह नंबर की शूटिंग जून से शुरू होगी और इसका पहला शेड्यूल मुंबई में रखा गया है। वीर दास इस फिल्म में भी कई कलाकारों के साथ एक अहम किरदार में नज़र आएंगे। यह फिल्म फाउंड-फुटेज हॉरर स्टाइल में बनाई जा रही है, जो पारंपरिक डरावनी फिल्मों से अलग होगी। इसमें मनोवैज्ञानिक गहराई और माहौल के ज़रिए डर को दिखाया जाएगा, साथ ही इंसानी भावनाओं और अंदरूनी संघर्ष को भी उजागर किया जाएगा। बताया जा रहा है कि इस फिल्म पर काफी समय से काम चल रहा था।

इस नए प्रोजेक्ट के साथ वीर दास अपनी रचनात्मक यात्रा को और आगे बढ़ा रहे हैं। कॉमेडी से हटकर हॉरर की तरफ उनका यह कदम कहानी कहने के नए प्रयोगों को दर्शाता है। शूटिंग शुरू होने के साथ ही यह फिल्म इंडस्ट्री में चर्चा का विषय बन चुकी है और इसे आने वाले समय की एक दिलचस्प फिल्म माना जा रहा है।

संपादकीय

फिर वही गलती, भगदड़ में फिर मौंते

बिहार के नालंदा जिले में शीतला माता मंदिर में मंगलवार (31 मार्च, 2026) को हुई प्रार्थना सभा के दौरान भगदड़ में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। राज्य सरकार ने मृतकों के परिवारों को 6 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। लेकिन बार-बार हो रहे हादसे देश भर की सरकार और प्रशासन के क्राउड मैनेजमेंट पर सवाल उठा रहे हैं। बिहार के नालंदा में शीतला माता मंदिर में मची भगदड़ की अब तक कोई नई वजह सामने नहीं आई है। ज्यादा भीड़, तंग जगह, अफवाह और फिर अफरातफरी। विपदा की यही स्क्रिप्ट देश में बार-बार दिखती रही है। 31 मार्च 2026 को मची इस भगदड़ में 8 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। जिनमें अधिकांश महिला थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, महावीर जयंती और मंगलवार का दिन होने के कारण भीड़ ज्यादा थी, जबकि उसको संभालने के इंतजाम नाकाफी। बताया जा रहा है कि एक जगह बैरिकेड टूटा, जिससे लोग संभल नहीं पाए। श्रद्धालुओं ने मंदिर प्रबंधन और पुलिस पर आरोप लगाए हैं कि भीड़ को देखते हुए पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई थी। वक्त और जगह बदल दीजिए, तो ऐसे हालात बार-बार बन रहे हैं। पिछले साल नवंबर में आंध्र के श्रीकाकुलम जिले के वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भगदड़ से 9 लोगों की मौत हो गई थी। वहां भी हादसा बैरिकेड टूटने से हुआ। उसके पहले जुलाई में हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में अफवाह ने कई लोगों की जान ले ली और जनवरी में तिरुपति मंदिर में हद से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचने की वजह से हालात बिगड़ गए थे। केवल धार्मिक स्थल या आयोजन ही नहीं, राजनीतिक रैलियां भी जानलेवा साबित हुई हैं, जैसे पिछले साल सितंबर में अभिनेता से नेता बने विजय की रैली, जिसमें भीड़ अनियंत्रित होने की वजह से 39 लोगों की जान चली गई थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका भी डाली गई थी कि राजनीतिक रैलियों और सभाओं में भीड़ प्रबंधन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। अदालत ने इसे सरकार की जिम्मेदारी बताया था। सार्वजनिक जगहों पर भीड़ के सैलाब को संभालना हमेशा से चुनौती रहा है। जब अनुमान से ज्यादा लोग एक जगह जुट जाते हैं, तो एक छोटी-सी गलती भी भारी पड़ सकती है। नैशनल क्राइम रेकॉर्ड ब्यूरो का डेटा बताता है कि पिछले तीन दशक में लगभग 4000 भगदड़ हुई हैं।

माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा। भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण और लोकतांत्रिक राष्ट्र के सामने आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां हमेशा से बहुआयामी रही हैं। इन चुनौतियों में नक्सलवाद या माओवादी हिंसा एक ऐसी समस्या रही, जिसने दशकों तक देश की आंतरिक शांति, विकास और सुशासन को गंभीर रूप से प्रभावित किया। विशेषकर छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार और आंध्र प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों ने न केवल विकास को अवरुद्ध किया, बल्कि हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान भी ली। लेकिन आज जब बस्तर जैसे माओवादी गढ़ से 25 लाख के इनामी सरगना पापा राव का अपने साथियों सहित आत्मसमर्पण करना एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आया है, तब यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत माओवादी मुक्ति की ऐतिहासिक दहलीज पर खड़ा है। नक्सलवाद की जड़ें सामाजिक-आर्थिक असमानता, उपेक्षा और शोषण में रही हैं, लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपने मूल उद्देश्यों से भटककर एक हिंसक और विध्वंसकारी विचारधारा में बदल गया। माओवादी संगठन न केवल विकास कार्यों में बाधा डालते रहे, बल्कि उन्होंने स्थानीय लोगों को भय और हिंसा के माध्यम से नियंत्रित किया। स्कूल, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र जैसे बुनियादी ढांचे को नष्ट करना उनकी रणनीति का हिस्सा बन गया था। इससे यह स्पष्ट हो गया कि यह आंदोलन अब जनहित का नहीं, बल्कि सत्ता और नियंत्रण का माध्यम बन चुका है।

माओवादी मुक्ति से शांति एवं संतुलन की नई संभावनाएं

(ललित गर्ग)

भारत सरकार द्वारा 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद/माओवाद से मुक्त करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वह अब लगभग अपनी अंतिम अवस्था में पहुंचता दिखाई दे रहा है। पिछले एक दशक में 10,000 से अधिक माओवादियों के आत्मसमर्पण, सुरक्षा बलों की आक्रामक एवं रणनीतिक कार्रवाई तथा प्रभावित क्षेत्रों में तेज़ी से हुए विकास कार्यों ने माओवादी आंदोलन की जड़ों को कमजोर कर दिया है। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में माओवादी हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। विशेष रूप से शीर्ष नेतृत्व के आत्मसमर्पण, जैसे दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के सरेंडर ने संगठन को नेतृत्वहीन कर दिया, जिससे माओवादी संरचना भीतर से कमजोर पड़ गई। इस सफलता के पीछे सरकार की बहुआयामी रणनीति रही, जिसमें केवल सैन्य-पुलिस कार्रवाई ही नहीं, बल्कि विकास, पुनर्वास और प्रशासनिक पहुंच को भी समान महत्व दिया गया। रेड कॉरिडोर क्षेत्रों में सड़कों और पुलों का निर्माण, मोबाइल टावरों के माध्यम से 4जी नेटवर्क का विस्तार, स्कूलों और आईटीआई संस्थानों की स्थापना ने इन क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा। वहीं 'फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशनों' की रणनीति के माध्यम से सुरक्षा बलों ने माओवादियों के गढ़ों में घुसकर निर्णायक कार्रवाई की। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता, रोजगार और समाज में पुनर्स्थापना की व्यवस्था ने भी माओवादी कैडर को हथियार छोड़ने के लिए प्रेरित किया। यह समन्वित रणनीति, दूरदर्शिता और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है कि देश आज नक्सलवाद के अंत के ऐतिहासिक चरण के निकट खड़ा दिखाई दे रहा है।

निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए बहुआयामी और दृढ़ रणनीति अपनाई। गृहमंत्री अमित शाह की सूझबूझ और स्पष्ट दृष्टिकोण ने इस अभियान को एक नई दिशा दी। सरकार ने एक ओर जहां सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों से सशक्त किया, वहीं दूसरी ओर विकास योजनाओं को भी गति दी। 'सुरक्षा और विकास' के इस दोहरे दृष्टिकोण ने माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन की नींव रखी। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए सघन अभियानों ने माओवादी नेटवर्क को गहराई से कमजोर किया है। बस्तर, जो कभी माओवादियों का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था, वहां आज आत्मसमर्पण की घटनाएं बढ़ रही हैं। पापा राव जैसे शीर्ष माओवादी नेता का आत्मसमर्पण इस बात का संकेत है कि माओवादी संगठन अब अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह केवल एक व्यक्ति का आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि एक विचारधारा के पतन का प्रतीक है।

माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा। आदिवासी और ग्रामीण समुदाय, जो अब तक भय और असुरक्षा में जी रहे थे, वे अब अपने अधिकारों और अवसरों का पूर्ण लाभ उठा सकेंगे। इसके साथ ही, माओवादी हिंसा के समाप्त होने से भारत की आंतरिक सुरक्षा मजबूत होगी। जब देश के भीतर शांति होगी, तब ही बाहरी खतरों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है। नक्सलवाद जैसी समस्याएं अक्सर विदेशी शक्तियों और असामाजिक तत्वों के लिए भी अवसर प्रदान करती हैं, जिन्हें समाप्त करना राष्ट्रीय हित में अत्यंत आवश्यक है। इस दृष्टि से माओवादी मुक्ति न केवल आंतरिक, बल्कि सामरिक रूप से भी महत्वपूर्ण है।

आदर्श शासन व्यवस्था की स्थापना के लिए कानून का शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास की समान पहुंच आवश्यक होती है। माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में इन सभी तत्वों का अभाव था। वहां प्रशासन की पहुंच सीमित थी और लोकतांत्रिक संस्थाएं प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर पा रही थीं। लेकिन अब जब माओवादी प्रभाव घट रहा है, तब सरकार के लिए यह अवसर है कि वह इन क्षेत्रों में सुशासन की मजबूत नींव रखे। पंचायतों को सशक्त किया जाए, स्थानीय नेतृत्व को प्रोत्साहित किया जाए और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाए। यह भी आवश्यक है कि माओवादी विचारधारा के प्रभाव को केवल सुरक्षा उपायों से ही नहीं, बल्कि वैचारिक स्तर पर भी चुनौती दी जाए। शिक्षा, जागरूकता और संवाद के माध्यम से लोगों को यह समझाना होगा कि हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। लोकतंत्र में परिवर्तन का मार्ग शांतिपूर्ण और संवैधानिक होता है। इस दिशा में समाज, सरकार और नागरिक संगठनों को मिलकर प्रयास करना होगा। माओवादी मुक्ति के इस दौर में यह भी ध्यान रखना होगा कि जिन कारणों से यह समस्या उत्पन्न हुई थी, वे दोबारा न उभरें। सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और विकास की समावेशी नीति को प्राथमिकता देना आवश्यक है। आदिवासी क्षेत्रों में उनकी संस्कृति, पहचान और अधिकारों का सम्मान करते हुए विकास की योजनाएं लागू की जानी चाहिए। केवल भौतिक विकास ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक सशक्तिकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में जिस दृढ़ता और दूरदर्शिता के साथ माओवादी समस्या का समाधान किया जा रहा है, वह न केवल वर्तमान के लिए, बल्कि भविष्य के लिए भी एक मार्गदर्शक है। यह दिखाता है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो, रणनीति स्पष्ट हो और कार्यान्वयन प्रभावी हो, तो कोई भी समस्या असाध्य नहीं है। निश्चिततौर पर माओवादी मुक्ति केवल एक सुरक्षा उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारत के लोकतंत्र, विकास और सुशासन की जीत है। यह उस विश्वास का प्रतीक है कि भारत अपने आंतरिक संघर्षों को शांतिपूर्ण और निर्णायक ढंग से सुलझाने में सक्षम है। अब समय है कि इस उपलब्धि को स्थायी बनाया जाए और देश के हर कोने में शांति, समृद्धि और संतुलन का वातावरण स्थापित किया जाए। जब हर नागरिक सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त महसूस करेगा, तभी सच्चे अर्थों में एक आदर्श शासन व्यवस्था का निर्माण संभव हो सकेगा। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भीतर के अंधेरे से बाहर के उजाले तक की अनदेखी यात्रा, अंदर के भ्रम से निकलना होगा

(मोनिका राज)

जब तक व्यक्ति अपने विचारों, पूर्वाग्रहों, भय और सीमित दृष्टि के जाल में उलझा रहता है, तब तक उसकी चेतना स्वतंत्र नहीं हो सकती।

सच्ची मुक्ति केवल बाहरी बंधनों से मुक्त होने का नाम नहीं है, बल्कि वह मनुष्य के भीतर बसे अज्ञान के अंधकार से बाहर निकलने की गहन प्रक्रिया है। जब तक व्यक्ति अपने विचारों, पूर्वाग्रहों, भय और सीमित दृष्टि के जाल में उलझा रहता है, तब तक उसकी चेतना स्वतंत्र नहीं हो सकती। अज्ञान वह अदृश्य आवरण है, जो सत्य को ढक देता है और मनुष्य को भ्रमों के संसार में भटका देता है। इसलिए वास्तविक मुक्ति का मार्ग बाह्य परिस्थितियों में परिवर्तन से नहीं, बल्कि अंतःकरण के प्रकाश से होकर गुजरता है।

मनुष्य का जीवन अनुभवों की निरंतर यात्रा है। प्रत्येक अनुभव, चाहे वह सुखद हो या पीड़ादायक, व्यक्ति के भीतर किसी न किसी रूप में चेतना का विस्तार करता है। अनुभव केवल घटनाओं का संग्रह नहीं होते, बल्कि वे आत्मा के शिल्पकार होते हैं, जो मनुष्य के व्यक्तित्व को गढ़ते हैं। जब व्यक्ति जीवन की घटनाओं को केवल भोग या दंड के रूप में नहीं, बल्कि आत्म-विकास की प्रक्रिया के रूप में देखता है, तब उसका दृष्टिकोण बदल जाता है। वह समझने लगता है कि जीवन का प्रत्येक क्षण उसे कुछ सिखाने आया है। यही अनुभव धीरे-धीरे अज्ञान के आवरण को हटाते हैं और व्यक्ति को सत्य के निकट ले जाते हैं।

संघर्ष जीवन का अपरिहार्य सत्य है। जो व्यक्ति संघर्ष से भयभीत होकर पलायन करता है, वह कभी अपनी आंतरिक शक्ति को पहचान नहीं पाता। संघर्ष मनुष्य के भीतर छिपी संभावनाओं को जागृत करता है और चुनौतियों से पार पाने की प्रेरणा देता है। जब मनुष्य विपरीत परिस्थितियों का सामना करता है, तब उसके भीतर धैर्य, साहस और दृढ़ता का जन्म होता है। संघर्ष केवल बाधा नहीं, बल्कि आत्मिक उत्कर्ष की सीढ़ी है। जिनके जीवन में संघर्ष का ताप नहीं पड़ा, उनके व्यक्तित्व में गहराई और परिपक्वता का अभाव रह जाता है।

संवेदनशीलता मनुष्य को मनुष्य बनाती है। संवेदनशील हृदय ही दूसरों के दुख को समझ सकता है, उनके दर्द को महसूस कर सकता है और उनके सुख में सहभागी बन सकता है। संवेदनशीलता व्यक्ति को आत्मकेंद्रित होने से बाहर निकालकर व्यापक मानवीय चेतना से जोड़ती है। जब मनुष्य केवल अपने हितों में उलझा रहता है, तब उसकी दृष्टि संकीर्ण हो जाती है और वह जीवन के व्यापक अर्थ को खो देता है। मगर जब वह दूसरों के अस्तित्व को अपने अस्तित्व से जोड़कर देखने लगता है, तब उसके भीतर करुणा, सहानुभूति और प्रेम का प्रवाह होता है।

जो व्यक्ति प्रत्येक परिस्थिति को सीख का अवसर मानता है, वही वास्तव में आत्मिक शक्ति का विकास करता है। जीवन में आने वाली कठिनाइयां, असफलताएं और निराशा अगर व्यक्ति को तोड़ने के बजाय उसे सोचने, समझने और बदलने के लिए प्रेरित करें, तो वे उसके विकास की आधारशिला बन जाती हैं। सीखने की प्रवृत्ति मनुष्य को जड़ता से मुक्त करती है और उसे निरंतर गतिशील बनाती है। जब व्यक्ति यह स्वीकार कर लेता है कि जीवन में कोई अनुभव व्यर्थ नहीं है, तब उसकी चेतना में एक नई ऊर्जा का संचार होता है। वह परिस्थितियों का शिकार बनने के बजाय उनका सृजनकर्ता बन जाता है और अपने जीवन का अर्थ खुद गढ़ने लगता है।

आत्मिक शक्ति का विकास केवल आत्म-संतोष तक सीमित नहीं होता, बल्कि वह व्यक्ति को व्यापक मानवीय उत्तरदायित्वों से जोड़ता है। आत्मिक रूप से जागृत व्यक्ति अपनी सीमाओं को पहचानते हुए भी उनमें बंधा नहीं रहता। वह जानता है कि उसकी व्यक्तिगत मुक्ति तब तक अधूरी है, जब तक समाज में अज्ञान, अन्याय और पीड़ा का अस्तित्व बना हुआ है। इसलिए वह आत्मकेंद्रित दृष्टि से ऊपर उठकर मानव-कल्याण से जुड़ता है। उसके लिए जीवन केवल व्यक्तिगत सफलता या सुख-संपन्नता का साधन नहीं रह जाता, बल्कि समाज के उत्थान का माध्यम बन जाता है। मानव-कल्याण की भावना मनुष्य को उसकी संकीर्ण पहचान से मुक्त करती है और उसे विश्व-मानव के रूप में देखने की दृष्टि प्रदान करती है। जब व्यक्ति यह समझने लगता है कि उसकी खुशियां दूसरों की खुशियों से जुड़ी हैं और उसकी पीड़ा दूसरों की पीड़ा से अलग नहीं है, तब उसके भीतर एक नई चेतना का उदय होता है। यही चेतना उसे स्वार्थ से परमार्थ की ओर ले जाती है। मानव-कल्याण का मार्ग कठिन अवश्य है, लेकिन यही मार्ग जीवन को सार्थक बनाता है। जब मनुष्य अपने ज्ञान, शक्ति और संसाधनों का उपयोग केवल अपने लिए नहीं, बल्कि समाज के लिए करता है, तब वह वास्तविक अर्थों में स्वतंत्र हो जाता है। सच्ची स्वतंत्रता बाहरी अधिकारों से नहीं, बल्कि आंतरिक जागरूकता से जन्म लेती है। जो व्यक्ति अपने भीतर के अज्ञान, भय और अहंकार से मुक्त हो जाता है, वही वास्तव में स्वतंत्र है।

तेल के जहाजों पर हमले से गहराया संकट: जंग के बीच समुद्र और जलवायु पर मंडरा रहा बड़ा खतरा

(प्रमोद भार्गव)

अमेरिका-इज़राइल और ईरान के बीच छिड़ी जंग में न केवल मानवीय त्रासदी की तस्वीरें सामने आ रही हैं, बल्कि इससे पर्यावरण के लिए भी गंभीर खतरा पैदा हो गया है। मीडिया रपटों के मुताबिक, होर्मुज जलमार्ग पर अब तक पेट्रोलियम पदार्थों से भरे करीब बीस तेल जहाजों पर हमले किए गए हैं। एक अनुमान के अनुसार, इन जहाजों में तीन लाख मीट्रिक टन तरल एलपीजी भरी हुई है। एक बड़े गैस टैंकर में लगभग पैंतालीस हजार मीट्रिक टन एलपीजी होती है। इससे करीब 32 लाख घरेलू गैस सिलेंडर भरे जा सकते हैं। अमेरिका का दावा है कि ईरान के खर्ग द्वीप स्थित तेल के सबसे बड़े ठिकाने पर भी हमला किया गया है। ईरान का यहां बड़ा सैन्य अड्डा भी है, जिसे अमेरिका ने पूरी तरह नष्ट करने का दावा किया है। बीस वर्ग किलोमीटर में फैले इस द्वीप से ईरान के कुल तेल का नब्बे फीसद निर्यात होता है। यहां तेल भंडारण के टैंक, लोडिंग टर्मिनल और निर्यात के लिए तेल की पाइपलाइन अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं।

दूसरी तरफ, ईरान ने यूएई के फुजैराह बंदरगाह पर हमला करके बड़े तेल भंडारों को नष्ट कर दिया है। ऐसे में अगर पश्चिम एशिया में चल रहे इस संघर्ष में तेल के जहाजों को निशाना बनाना जारी रहा, तो इससे बड़ी मात्रा में तेल, गैस और रसायन फैलेगा, जिससे समुद्री जल बुरी तरह प्रदूषित होगा। वैसे भी दुनिया के समुद्री तटों पर पेट्रोलियम पदार्थों और औद्योगिक कचरे से पर्यावरण के लिए बड़ा संकट पैदा हो गया है। तेल के रिसाव, टैंकों के टूटने और इन्हें साफ करने से भी समुद्र का पर्यावरणीय पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित हो रहा है। यदि किसी कारणवश एक जहाज से भी तेल का रिसाव होता है, तो क्षेत्र के जल पर्यावरण को बड़ी क्षति पहुंचती है। ऐसे में अगर होर्मुज जलमार्ग पर बड़ी संख्या में तेल के जहाजों को निशाना बनाया जाता है, तो उनसे होने वाले रिसाव से कितने बड़े पैमाने पर जल प्रदूषण होगा, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

कुछ साल पहले जापान में तोक्यो के तट के समीप 317 किलोमीटर की पट्टी पर तेल के फैलाव से वहां के तटवर्ती शहरों में हाहाकार मच गया था। रूस में बेलाय नदी के किनारे बिछी तेल पाइप लाइन से 150 मीट्रिक टन तेल के रिसाव ने आस-पास के इलाके में पेयजल का संकट खड़ा कर दिया था। सैनजुआन जहाज के कोरल चट्टानों से टकरा जाने के कारण अटलांटिक तट पर करीब तीस लाख लीटर तेल का रिसाव होने से समुद्री जीव प्रभावित हुए थे। इसी तरह मुंबई हाई से लगभग 1,600 मीट्रिक टन तेल का रिसाव होने के कारण पर्यावरण को काफी नुकसान हुआ था। बंगाल की खाड़ी में क्षतिग्रस्त तेल टैंकर से हुए रिसाव ने निकोबार द्वीप समूह में गंभीर संकट पैदा कर दिया था। लाइबेरिया के एक टैंकर से 85 हजार मीट्रिक टन तेल रिसाव ने स्काटलैंड में समुद्री पक्षियों को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया था। सबसे भयंकर तेल का रिसाव अमेरिका के अलास्का में हुआ था। यह रिसाव प्रिंस विलियम साउंड टैंकर से हुआ था। इसका असर छह माह तक रहा और इस अवधि के दौरान क्षेत्र में 35,000 समुद्री पक्षियों तथा व्हेल मछलियों समेत दस हजार से अधिक समुद्री जीवों की मौत हो गई थी। हालांकि, इस घटना का असर इराक युद्ध के दौरान समुद्र में छोड़े गए तेल से कम था। यह तेल इसलिए छोड़ा गया था कि कहीं यह अमेरिका के हाथ न लग जाए। तब अमेरिका की ओर से इराक के तेल टेंकरों पर की गई बमबारी से भी लाखों टन तेल समुद्री सतह पर फैला था। एक अनुमान के मुताबिक, इस कच्चे तेल की मात्रा 110 लाख बैरल थी। इस तेल के बहाव ने फारस की खाड़ी में घुसकर समुद्री जीवों को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया था। इस प्रदूषण का असर मिट्टी, पानी और हवा तीनों पर पड़ा था। समुद्र की सतह पर जब तेल फैलता है, तो इसकी मोटी परत सूर्य की रोशनी और आक्सीजन को नीचे जाने से रोकती है। इससे जलीय जीव दम घुटने से मर जाते हैं। जो जीव किसी तरह बचे भी रहते हैं, उनकी प्रजनन क्षमता बुरी तरह प्रभावित होती है, क्योंकि तेल और रसायनों का प्रभाव जहरीला होता है।

समुद्री पक्षियों के पंखों और स्तनधारियों के शरीर पर तेल की परत जम जाने से उनकी ऊष्मारोधी क्षमता कम हो जाती है, इसलिए ये जीव शरीर का तापमान बहुत कम हो जाने के कारण भी दम तोड़ देते हैं। तेल के कुओं और भंडार गृहों में आग लगने से तीव्र एवं जहरीली रोशनी निकलती है, जो मधुमक्खियों जैसे परा-गणकों को प्रभावित कर उनके जीवन चक्र को बाधित कर देती है। समुद्र में जलने वाला तेल पृथ्वी का ऊर्जा संतुलन बिगाड़ने का काम करता है। इससे भविष्य में वैश्विक जलवायु आपातकाल की स्थिति निर्मित होने की संभावना बढ़ सकती है। मध्यपूर्व में जल रहा तेल हिंद महासागर के तापमान को अप्रत्याशित रूप में बढ़ा सकता है, जिसका सीधा प्रभाव मौसम चक्र पर पड़ेगा। इसके परिणाम स्वरूप निकट भविष्य में सूखा, अतिवृष्टि, बाढ़ और तूफान जैसी चरम मौसमी घटनाएं देखने को मिल सकती हैं।

एक अनुमान के मुताबिक, वर्तमान में दुनिया भर में करीब 1.64 अरब वाहन सड़कों पर दौड़ते हैं, इनमें इस्तेमाल होने वाला जीवाश्म ईंधन भी वायु प्रदूषण का एक बड़ा कारण है। प्रदूषण रोकने के तमाम उपायों के बावजूद 150 लाख टन कार्बन मोनोआक्साइड, दस लाख टन नाइट्रोजन आक्साइड और पंद्रह लाख टन हाइड्रोकार्बन हर साल वायुमंडल में जमा होते हैं, जो ओजोन-परत के लिए बड़ा खतरा है। यदि ईरान-इजराइल युद्ध में निशाना बनाए जा रहे जहाजों में भरा तेल एवं गैस पूरी तरह समुद्र में फैल जाते हैं, तो जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को कितने बड़े स्तर पर नुकसानदेह होगा, इसका अनुमान लगाना भी कठिन है। अगर यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो इससे विश्व भर में ऊर्जा के संकट से भी जूझना पड़ेगा। तेल, गैस और रसायनों के जलने से पैदा होने वाला प्रदूषण मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, इससे फेफड़ों का कैंसर, दमा, तपेदिक, हृदय रोग और त्वचा संबंधी रोगों का खतरा बना रहता है। एक अध्ययन के अनुसार, कैंसर के मरीजों की कुल संख्या में अस्सी फीसद मामले हवा में फैले विषैले रसायनों के कारण होते हैं।

विश्व बैंक ने अपनी एक रपट में जल प्रदूषण के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव की कीमत 150 रुपए प्रति व्यक्ति आंकी है, जो तटीय क्षेत्रों में रहते हैं। मगर यह मूल्यांकन वर्तमान युद्ध में तेल भंडारों पर हो रहे हमलों और उससे होने वाले नुकसान का आकलन नहीं है। इसका आकलन तो युद्ध की समाप्ति के बाद ही होगा। वैसे पेट्रोलियम अपशिष्टों का समुद्री खाद्य सामग्री पर भी असर पड़ता है। दूषित जल से कई समुद्री जीव कैंसर जैसी बीमारियों का शिकार हो जाते हैं। जब इन जीवों को मानव के आहार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, तो मनुष्य के शरीर में विकार आना स्वाभाविक है। ऐसे में युद्धरत देशों समेत वैश्विक स्तर पर इस बात पर गंभीरता से विचार करना होगा कि तेल के जहाजों और भंडारों को निशाना बनाने के दूरगामी एवं घातक परिणाम हो सकते हैं।

गर्मी में रखें अपनी आंखों को सुरक्षित

पूरे भारत में गर्मी का हाल बेहाल है। बढ़ती गर्मी के कारण व्यक्ति कई प्रकार की बीमारियों का शिकार हो रहा है। इनमें मुख्य है त्वचा सम्बन्धी रोग और दूसरा है नेत्र सम्बन्धी रोग। दिन-ब-दिन तापमान बढ़ता जा रहा है और भीषण गर्मी असहनीय होती जा रही है। ऐसे में लोग गर्मी से अपना बचाव करते हैं। हम अपने शरीर को ऊपर से नीचे तक कपड़े और सनस्क्रीन से ढक सकते हैं, लेकिन हमारी आंखों को हम सुरक्षित नहीं कर पाते। गर्मी की वजह से शरीर से ज्यादा तकलीफ हमारी आँखों को होती है। आंखें न केवल हानिकारक यूवी किरणों के सम्पर्क में आती हैं बल्कि गन्दगी, प्रदूषण से भी प्रभावित होती हैं। हम कुछ ऐसे उपाय बताने जा रहे हैं जिनका उपयोग करके वे अपनी आँखों को इस भीषण गर्मी में संक्रमित होने से बचा सकते हैं।

धूप का चश्मा

जिस तरह आप अपने शरीर को कपड़ों से ढकते हैं, दस्ताने से लेकर टोपी तक, उसी तरह आपकी आंखों की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण है। अपने घर से बाहर निकलते समय, यूवी किरणों को सीधे अपनी आंखों में प्रवेश करने से रोकने के लिए आपको सन ग्लास अर्थात धूप का चश्मा अपनी आँखों पर लगाना चाहिए।

कम से कम 8 घंटे सोएँ

गर्मी के दिनों में प्रयास करके अपनी आंखों को पूरा आराम दें। इसके लिए जरूरी है कि आप कम से कम आठ घंटे की नींद जरूर लें। आठ घंटे की नींद लेने न केवल आपकी आँखें पूरी तरह से सुरक्षित रहती हैं अपितु यह आपके शरीर को भी पूरा आराम प्रदान करता है। साथ ही आपके इम्युनिटी पावर को भी बरकरार रखता है।

ठंडे पानी से आंखें धोएं

अपनी आंखों को ठंडा रखने के लिए उन्हें ठंडे पानी से बार-बार धोने की कोशिश करें। ठंडा पानी आंखों से गर्मी को दूर करने में मदद करता है और उन्हें बेहतर महसूस कराता है।

अपनी आंखों को लुब्रिकेट करें

हमारी आंखें नमी खो देती हैं और सूखी और खुजलीदार हो जाती हैं। ऐसे में ढेर सारा पानी पीकर शरीर को हाइड्रेट रखना चाहिए। जो लोग ऑफिस में लगातार कम्प्यूटर के सामने बैठकर काम करते हैं उन्हें अपनी आँखों को लेकर संजीदगी बरतनी चाहिए। उन्हें कम्प्यूटर पर काम शुरू करने से पहले अपनी आँखों को आई ड्रॉप्स से धोना चाहिए। आठ से दस घंटे लगातार कम्प्यूटर पर काम करने वाले लोगों को ऐसा कम से कम 3 बार करना चाहिए। आँखों में आई ड्रॉप्स डालने से आँखों की चिकनाई बरकरार रहती है।

सनस्क्रीन का प्रयोग करने से बचें

अधिकांश युवा अपने चेहरे को सन स्क्रीन से बचाने के लिए क्रीम का प्रयोग करते हैं। इस क्रीम को लगाते वक्त वे उसको पलकों और भौंह पर भी लगा देते हैं। यदि आप ऐसा करते हैं तो यह गलत है। आपको अपनी पलकों या आँखों पर सनस्क्रीन लगाने से बचाव करना चाहिए, क्योंकि इससे वे लाल और खुजलीदार हो सकते हैं।

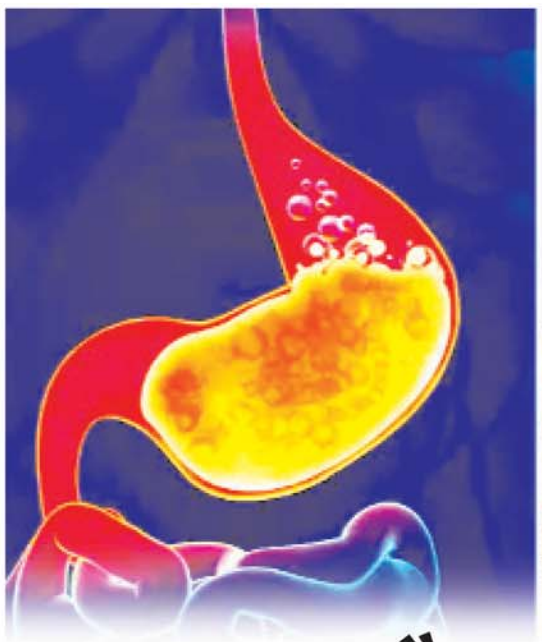

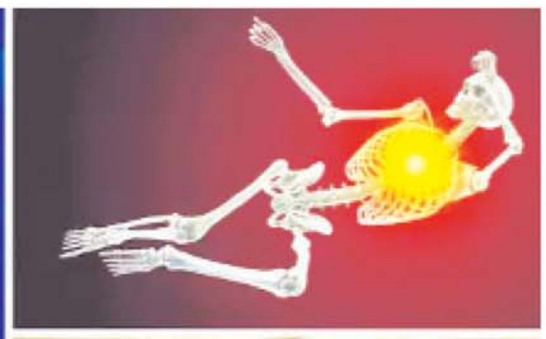

गैस और एसिडिटी की दवाएं बंद करें, आजमाएं ये आयुर्वेदिक नुस्खे

अगर आप गैस और एसिडिटी जैसी समस्या के लिए दवाएं खा रहे हैं, तो इसे एकदम बंद कर दें, यह शरीर के पोषक तत्वों को खत्म कर सकती हैं।

एसिडिटी और गैस बनना आम समस्याएं हैं, जिनसे रोजाना बहुत से लोग परेशान रहते हैं। अगर आप इससे राहत पाने के लिए पैन्टोजेन जैसी कोई दवाएं ले रहे हैं, तो आप बड़ी गलती कर रहे हैं। इनके अधिक सेवन से आपके शरीर में विटामिन बी12, मैग्नीशियम, कैल्शियम, विटामिन डी सहित कई सारे पोषक तत्वों की कमी आ सकती है जिससे शरीर में इनके कई प्रभाव देखने को मिलते हैं। इन दवाओं के अधिक सेवन से शरीर में कमजोरी होना, थकान, कमजोरी और ऊर्जा की कमी जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं। अगर आप एसिडिटी सहित पेट की अन्य समस्याओं जैसे अपच, सीने में जलन, एसिड रिफ्लक्स, कब्ज, पेट फूलना आदि से राहत पाना चाहते हैं, तो आपको दवाओं पर डिपेंड होने की बजाय कुछ घरेलू उपाय आजमाने चाहिए।

एसिडिटी के लक्षण

- सीने में जलन होना, खासकर खाने के बाद, जो रात में या लेटते समय बदतर हो सकती है
- भोजन या खट्टे तरल पदार्थ वापस आना
- ऊपरी पेट या सीने में दर्द
- निगलने में परेशानी
- पेट फूलना और भारीपन

कच्चा जीरा है एसिडिटी का तगड़ा इलाज

एसिडिटी से राहत पाने के लिए आप जीरे का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप खाने से पहले थोड़ा सा कच्चा जीरा चबाएं और थोड़ा गुनगुना पानी पी लें, जब तक वो चबना जाए।

ठंडा दूध

बहुत थोड़ी मात्रा में ठंडा दूध लें और उसमें आधा चम्मच गुलकंद मिक्स कर दें। इस मिश्रण को लेने से आपको एसिडिटी को बिना दवाओं के ठीक करने में मदद मिल सकती है।

एंटासिड से हो जाएं सावधान

सुबह खाली पेट एसिड की दवाएं लेना आपकी सेहत को बर्बाद कर सकता है। बाजार में एंटासिड दवाएं धड़ल्ले से बिक रही हैं जोकि आपकी सेहत के लिए खतरनाक हैं। इनमें सोडियम कार्बोनेट होता है, जो शरीर के पोषक तत्वों को पी जाता है।

आपको डॉक्टर के पास कब जाना चाहिए

अगर आपको यह उपाय आजमाने के बाद भी आराम नहीं मिल रहा और लक्षण बिगड़ते जा रहे हैं, तो आपको तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए। इसके अलावा आपको सांस लेने में तकलीफ हो, या जबड़े या बांह में दर्द हो रहा है, तो सावधान रहें क्योंकि यह दिल का दौरा पड़ने के संकेत और लक्षण हो सकते हैं।

दिल की बीमारी के खतरे को कम करता है किचन में रखा ये तेल

सरसों को तेल हमारे किचन में बहुत आसानी से उपलब्ध होता है और यह हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छा भी होता है। लेकिन क्या आपको यह पता है कि यह हमारे हार्ट हेल्थ के लिए कितना अच्छा है। सरसों के तेल की खासियत बहुत कम लोगों को पता है। सरसों का तेल विटामिन, मिनरल्स, कैल्शियम और आयरन जैसे तत्वों से भरपूर होता है, जो आपको सेहतमंद रखने में मदद करते हैं। यह आपके हार्ट के लिए कैसे अच्छा और इसके फायदे क्या है।

अल्फा-लिनोलेनिक एसिड

सरसों के तेल में अल्फा-लिनोलेनिक एसिड पाया जाता है, जो एक प्रकार का ओमेगा-3 फैटी एसिड है और यह शरीर के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। आमतौर पर यह हृदय रोगों को नियंत्रित करने में मदद करता है।

कोलेस्ट्रोल को कंट्रोल करता है

सरसों के तेल के प्रत्येक 100 ग्राम में करीब 60 से 70 प्रतिशत मोनोअनसैचुरेटेड फैट होता है, जो कि गुड फैट है और कोलेस्ट्रोल के स्तर को कम करने में मदद करता है । यह हर्ट डिजीज के रिस्क को भी कम करता है।

हार्ट हेल्थ के लिए अच्छा है

रिसर्च गेट में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, सरसों के तेल में विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो हृदय की सेहत को सुरक्षित रखने मदद कर सकते हैं। इन तत्वों के नियमित सेवन से हृदय रोग का खतरा कम हो जाता है।

इन्फ्लेमेशन को कम करना

सरसों के तेल में एंटी-इन्फ्लेमेटरी प्रॉपर्टी के गुण भी होते हैं, जो शरीर में होने वाले किसी भी प्रकार के इन्फ्लेमेशन को कम कर सकते हैं। यह हृदय संबंधी समस्याओं के रिस्क को कम करने में मदद करता है।

इम्युनिटी स्ट्रांग होती है

सरसों के तेल में मौजूद विटामिन और खनिज तत्व शरीर को मजबूत बनाते हैं। जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और हार्ट सहित कई बीमारियों के होने का खतरा और भी कम होता है।

पके कटहल को करें डाईट में शामिल

गर्मियों के मौसम में कटहल हर कोई खाना पसंद करता है। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही आवश्यक है। पके कटहल में प्रोटीन भी बहुत ही अधिक मात्रा में पाया जता है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम हृदय संबंधी समस्याओं को दूर रखने में मदद करता है। कटहल आपके लिवर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है। तो चलिए आपको बताते हैं कि पका कटहल खाने से आपकी सेहत को और कौन-कौन से फायदे हो सकते हैं.

कटहल के पत्ते भी हैं फायदेमंद

कटहल ही नहीं बल्कि उसके पत्ते भी आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। जिनके मुंह में छाले की समस्या होती है उन्हे कटहल के पत्ते को चबाना चाहिए। इससे उनकी मुंह के छालों में काफी आराम मिलेगा।

पाचन मजबूत

गर्मियों में यदि आपको खाना नहीं पच पाता तो आप पके हुए कटहल को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करके आपका वजन सुधारने में भी मदद करता है।

इम्यूनिटी होगी स्ट्रांग

पके कटहल में विटामिन सी भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन-सी आपके शरीर में एक एंटीऑक्सीडेंट के रुप में कार्य करता है। इसका सेवन करने से आपकी इम्यूनिटी स्ट्रांग होती है। साथ ही यह आपके शरीर के लिए इम्यूनिटी बूस्टर की तरह काम करता है।

लिवर रहता है स्वस्थ

पके कटहल का सेवन करने से आपका लिवर भी स्वस्थ रहता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व आपके लिवर को मजबूत बनाते हैं। इसमें राइबोफ्लेविन, जिंक, कॉपर और नाइसिन जैसे तत्व पाए जाते हैं जो लिवर को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

दिल रहेगा स्वस्थ

पका हुआ कटहल आपके हृदय के लिए भी बहुत ही लाभकारी माना जाता है। इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

वजन होगा कम

पके हुए कटहल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं जो आपके शरीर में बढ़ते हुए मोटापे को रोकने में मदद करते हैं। इसका अलावा इसे रेसवेरास्ट्रॉल नाम के एंटीऑक्सीडेंट का भी बहुत ही अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह आपके रक्त के संचार को कंट्रोल करन में भी मदद करता है।

गर्मी में पीजिए ये ड्रिंक्स

इंसान भले घर में हो या घर से बाहर लेकिन गर्मी में थकान, सिर दर्द, सुस्ती, नींद आना आम बात है। हालांकि इन सभी क्रियाओं का असर काम पर भी पड़ता है और पूरा दिन ऐसे ही गुजर जाता है। लेकिन कुछ समर ड्रिंक्स है जिन्हें आप कभी भी पी सकते हैं, इससे आपके अंदर तरावट भी बनी रहेगी और आलसीपन भी नहीं रहेगा। तो आइए जानते हैं समर टॉप 5 ड्रिंक्स के बारे में

छाछ- जी हां, गर्मी के साथ ही कोरोना वायरस के लिहाज से यह काफी सेहतमंद है। खाना खाने के बाद आप इसे कभी भी पी सकते हैं। इससे गर्मी में पाचन तंत्र भी अच्छा होता है और टेस्ट में भी स्वादिष्ट होती है। हालांकि छाछ और दही का कभी भी शाम 5 बजे के बाद सेवन नहीं करना चाहिए।

कैरी पना- गर्मी में कैरी का पना पीने से लू नहीं लगती है। खट्टा होने के कारण यह इम्युनिटी बढ़ाने के लिहाज से काफी अच्छा पेय है। बेहतर होगा खट्टे फलों का सेवन रात को नहीं करें। खाना खाने के बाद इसे पीने से पाचन तंत्र अच्छा रहता है और शरीर में तरावट भी बनी रहती है।

ठंडाई- जी हां, बाजार में इसका पैकेट आसानी से उपलब्ध हो जाता है और आप चाहे तो घर पर भी बना सकते हैं। घर पर बनाने के लिए आपको खस के दानों को 3 से 4 घंटे पहले भिगोना है। पहले उसे अच्छे से मिक्सर में पीस लें। उसके साथ थोड़ी से काली मिर्च भी मिक्स कर दें। पीसने के बाद वह पेस्ट दूध में मिक्स कर दें। आपकी ठंडाई तैयार है। इसे पीने से भूख भी कम लगती है और शरीर में भी ठंडक पहुंचती है।

आंवले का शरबत- जी हां, गर्मी में आंवले का शरबत पीने से एकदम ताजगी महसूस होती है। यह विटामिन की कमी को भी पूरा करता है। आंवले का शरबत आंख और बालों के लिए भी फायदेमंद है।

बेल का शरबत- गर्मी में ठंडक और तंदुरुस्ती बनाए रखने के लिए बेल का शरबत सबसे अधिक कारगर है। इसमें मौजूद विटामिन सी, पोटेशियम, कैल्शियम सहित अन्य पोषक तत्व मौजूद होते हैं। यह इम्युनिटी भी बढ़ाता है।

सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए अपनाए ये घरेलू उपाय

अक्सर सिरदर्द की समस्या से कई लोग झूझते रहते है। ज्यादातर काम-काज का प्रेशर रहने से सिरदर्द जैसी परेशानी होती है तनाव, पर्याप्त नींद नहीं लेना, ज्यादा शोर, फोन पर ज्यादा देर बात करना, ज्यादा सोचना, थकावट, सिर में रक्तप्रवाह कम होना जैसे कई कारणों से अक्सर हम सिरदर्द जैसी परेशानी से झूझते है। नियमित दो बार 10-20 मिनट ध्यान करने से शरीर व मन दोनों को आराम मिलता है। सिर में रक्तप्रवाह बढ़ता है। जिसके कारण आप सिरदर्द की परेशानी में राहत मिलती है। सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए बेहतर होगा की आप शरीर को डिहाइड्रेट होने से बचाए जिससे बचने के लिए अच्छा होगा की आप पर्याप्त मात्रा में पानी पिए जिससे आप खुद को सिरदर्द की परेशानी से बचा सकते है। मसल्स और शरीर में खिंचाव रहने से भी सिर दर्द होता है ऐसे में बेहतर होगा की आप थोड़े-थोड़े अंतराल पर स्ट्रेचिंग करें ऐसा करना बेहतर होगा। इन उपायों को करके आप सिरदर्द की परेशानी में राहत पा सकते है। सिरदर्द की परेशानी से तुरंत राहत पाने के लिए योग कारागार उपाय है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी से भी आप सिरदर्द जैसी समस्या में आराम पा सकते है।

सुंदरता बढ़ाने और सेहतमंद बनने के लिए इस्तेमाल करें तेजपत्ता

तेजपत्ते का इस्तेमाल केवल खाने में डालने तक ही सीमित नही हैं। कई लोगों को ये जानकर हैरानी हो सकती है कि तेजपत्ते के इस्तेमाल से आप अपनी त्वचा व बालों को भी फायदा पहुंचा सकते हैं। आइए, जानते हैं कि किस तरह से आप तेजपत्ते को अपनी सुंदरता बढ़ाने और सेहतमंद बनने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

- चेहरे पर दाग, धब्बे या मुहांसे होने पर तेजपत्ता काफी लाभदायक होता है। तेजपत्ते का लेप या फिर तेजपत्ता डालकर उबाले गए पानी से चेहरा धोना, चेहरे को साफ और बेदाग बनाए रखने में मदद करता है।
- तेजपत्ते का पानी सूर्य की किरणों से प्रभावित त्वचा को भी ठीक करने में मदद करता है, और त्वचा की रंगत को समान बनाए रखने में मदद करता है।
- बालों को नर्म, मुलायम और चमकदार बनाए रखने के लिए तेजपत्ते का उपयोग बेहद असरकारक होता है। आप चाहें तो इसे तेल में डालकर उस तेल को बालों की जड़ों में लगा सकते हैं, या फिर इसके पानी से बालों को धो सकते हैं।
- तेजपत्ते का लेप बनाकर बालों में लगाने से रूसी की समस्या से निजात मिल सकती है। इसे लेप को दही में मिलाकर भी लगाया जा सकता है, ताकि सिर की त्वचा में नमी बनी रहे और पोषण भी मिले।
- तेजपत्ते को सुखाकर उसके पाउडर को मंजन की तरह इस्तेमाल करना, दांतों की सफेदी और चमक बरकरार रखने में कारगर है। आप चाहें तो इसे सप्ताह में एक दिन आजमा सकते हैं।
- अगर किसी को काफी समय से कमर दर्द हो, तो इस काढ़े को पीने से जल्दी आराम मिलता है। आप चाहें तो कमर पर तेजपत्ते के तेल से मालीश भी कर सकते है।
- शीत लहर से होने वाले शारीरिक दर्द को भी ये काढ़ा दूर करने में मदद करता है। इसके लिए आप 10 ग्राम तेजपत्ता, 10 ग्राम अजवायन और 5 ग्राम सौंफ को एक साथ पीसकर मिश्रण तैयार कर लें। अब इस मिश्रण को 1 लीटर पानी में डालकर अच्छी तरह से उबाल लें। जब पानी उबलने के बाद 100-150 मिलीलीटर बच जाए तो गैस बंद कर दें। कुछ देर बाद जब ये मिश्रण ठंडा जाएगा तो आपका काढ़ा पीने के लिए तैयार है।
- अगर कही पर मोच आ गई हो, तो सूजन और दर्द से राहत देने में तेजपत्ते का काढ़ा सहायक होता है। आप चाहें तो तेजपत्ता को पीसकर उसका लेप भी दर्द वाली जगह पर लगा सकते हैं इससे भी राहत मिलती है।
- अगर नसों में सूजन हो या नसों में खिंचाव, तो भी तेजपत्ते का काढ़ा आराम पहुंचाता है।

संक्षिप्त समाचार

सनकी किंग बना रहा तीसरा खतरनाक डेस्ट्रॉयर, सैटेलाइट तस्वीरों से हुआ खुलासा

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया का सनकी किंग किम जोंग उन अपनी सैन्य ताकत को तेजी से बढ़ाने में जुटा है। ताजा सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि वह अपने तीसरे 5,000 टन के आधुनिक डेस्ट्रॉयर (युद्धपोत) का निर्माण तेजी से कर रहा है। यह जहाज नाम्पो के शिपयार्ड में बनाया जा रहा है, जहां बड़े-बड़े क्रेन और मशीनें लगातार काम करती दिखाई दी हैं। इनका इस्तेमाल जहाज के बड़े हिस्सों, रडार और हथियार सिस्टम लगाने के लिए किया जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि उत्तर कोरिया अपनी नौसेना को आधुनिक बनाने के लिए रूस से तकनीकी मदद ले सकता है। उत्तर कोरिया का यह कदम दिखाता है कि वह सिर्फ परमाणु नहीं, बल्कि समुद्री ताकत भी बढ़ाना चाहता है। इससे क्षेत्र में सैन्य संतुलन और तनाव दोनों बढ़ सकते हैं। किम जोंग-उन ने आदेश दिया है कि इस नए युद्धपोत को 10 अक्टूबर तक तैयार किया जाए, जो कि सत्तारूढ़ पार्टी की स्थापना की वर्षगांठ है। रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले बनाए गए दो डेस्ट्रॉयर चोए ह्योन और कांग कों भी लॉन्च हो चुके हैं, लेकिन उनकी पूरी ऑपरेशनल क्षमता पर अभी भी सवाल हैं क्योंकि वे लंबे समय तक बंदरगाह पर ही खड़े रहे हैं।

यूरोप में अलर्ट जारी! घर से करें काम...कम चलाएं गाड़ी व रोके हवाई सफर

लंदन, एजेंसी। खाड़ी क्षेत्र में जारी संघर्ष का असर अब यूरोप तक पहुंच रहा है। यूरोपीय आयोग ने चेतावनी दी है कि यह संकट लंबे समय तक चल सकता है, जिससे ऊर्जा की भारी कमी हो सकती है। आयोग ने लोगों से अपील की है कि वे घर से काम करें, कम गाड़ी चलाएं और हवाई यात्रा घटाएं, ताकि ऊर्जा की बचत हो सके। साथ ही, यूरोपीय देशों से कहा गया है कि वे जल्द से जल्द नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दें। यूरोपीय आयोग ने सदस्य देशों से अपील की है कि वे लोगों को ऊर्जा बचाने के लिए प्रेरित करें, जैसे घर से काम करना, कम यात्रा करना और ईंधन की खपत घटाना। यूरोप का ट्रांसपोर्ट सेक्टर खाड़ी क्षेत्र से आने वाले तेल पर काफी निर्भर है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ बंद होने के कारण तेल सप्लाई प्रभावित हुई है, जिससे संकट और बढ़ गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति 1970 के तेल संकट जैसी हो सकती है, जब ईंधन राशनिंग और नो-कार डे जैसे कदम उठाए गए थे।

कोलंबिया में सड़क हादसा, 2 की मौत, 19 घायल

कोलंबिया, एजेंसी। कोलंबिया के कुंडिनामार्का इलाके में एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है, जिसमें कम से कम 2 लोगों की मौत हो गई और 19 लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना एक टोल प्लाजा के पास हुई, जब एक दूध से भरा ट्रक अचानक नियंत्रण खो बैठा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक के ब्रेक फेल हो गए थे, जिसके कारण वह तेज गति से कई गाड़ियों और एक मोटरसाइकिल से टकरा गया। टक्कर के बाद जोरदार धमाके हुए और कई वाहन आग की चपेट में आ गए। हादसे के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई और लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। घटना की सूचना मिलते ही एंबुलेंस, पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को तुरंत पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। प्रशासन ने बताया कि हादसे के कारण सड़क को बंद कर दिया गया है और जांच जारी है। यह हादसा सड़क सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े करता है। विशेषज्ञों का कहना है कि वाहनों की नियमित जांच और सुरक्षा नियमों का पालन बेहद जरूरी है, ताकि ऐसे हादसों को रोका जा सके।

सिंगर जुबीन गर्ग की मौत, पुलिस ने बताई वजह

सिंगापुर एजेंसी। सिंगापुर पुलिस ने भारतीय गायक जुबीन गर्ग की मौत की जांच पूरी कर ली है और साफ किया है कि इसमें किसी भी तरह की साजिश या गड़बड़ी नहीं थी। जांच के अनुसार, उनकी मौत दुर्घटनावश डूबने से हुई थी। पुलिस के मुताबिक, जुबीन गर्ग सितंबर 2025 में एक यॉट ट्रिप पर गए थे। उन्होंने पहले लाइफ जैकेट पहनकर पानी में तैराकी की, लेकिन बाद में उसे उतार दिया। दूसरी बार जब वे पानी में उतरे, तो अकेले और बिना लाइफ जैकेट के तैरने लगे। इसी दौरान वे अचानक बेहोश हो गए। उन्हें तुरंत बचाकर यॉट पर लाया गया और सीपीआर दिया गया।

अमेरिका ने वेनेजुएला के कार्यवाहक राष्ट्रपति पर लगे प्रतिबंध हटाए, रोड्रिगेज ने बताया सकारात्मक कदम

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका ने वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज पर लगे प्रतिबंध हटा दिए हैं। यह जानकारी अमेरिकी वित्त विभाग की वेबसाइट पर जारी एक अपडेट के अनुसार है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय ने बुधवार (स्थानीय समय) को कहा कि रोड्रिगेज को प्रतिबंध सूची से हटा दिया गया है। वहीं, शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, इस निर्णय के बारे में और अधिक जानकारी नहीं दी गई है।

रोड्रिगेज ने इस फैसले का स्वागत किया: सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक्स एक पोस्ट में, रोड्रिगेज ने इस कदम का स्वागत किया। उन्होंने इसे द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने और मजबूत करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया। इसके साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि आर्थिक विकास और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए

वेनेजुएला पर लगे अतिरिक्त प्रतिबंध हटाए जा सकते हैं। उन्होंने पोस्ट किया, राष्ट्रपति ट्रंप का निर्णय हमारे देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमें विश्वास है कि यह प्रगति और दृढ़ संकल्प हमारे देश पर लगे अतिरिक्त सक्रिय प्रतिबंधों को हटाने की ओर ले जाएगा।

रोड्रिगेज ने आगे कहा इससे हमारे लोगों के हित में तीव्र आर्थिक विकास, निवेश और प्रभावी द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। आइए, हम सभी के लिए एक समृद्ध वेनेजुएला की दिशा में काम करते रहें! रोड्रिगेज ने इससे पहले राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के अधीन उपराष्ट्रपति के रूप में कार्य किया था। उनकी सरकार के सदस्यों को लक्षित करने वाले उपायों के तहत 2018 में संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से उन पर प्रतिबंध लगाए गए थे।

वेनेजुएला में जनवरी में क्या हुआ? : दरअसल, 3 जनवरी को अमेरिकी सैन्य बलों ने वेनेजुएला के खिलाफ एक व्यापक अभियान चलाया। इसमें मादुरो और उनकी पत्नी को जबरन पकड़कर न्यूयॉर्क ले गए। इसके बाद रोड्रिगेज ने कार्यवाहक राष्ट्रपति का पदभार संभाला और तब से वाशिंगटन उनके प्रशासन के साथ संपर्क में है।अमेरिका और वेनेजुएला के संबंध लंबे समय से तनावपूर्ण रहे हैं। हाल के महीनों में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने कुछ प्रतिबंधों में ढील दी है। विशेष रूप से ऊर्जा क्षेत्र में। वेनेजुएला के पास दुनिया के सबसे बड़े सिद्ध तेल भंडारों में से कुछ हैं। यह वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सोमवार को काराकास स्थित अमेरिकी दूतावास ने सात साल बंद रहने के बाद फिर से काम शुरू कर दिया।

आर्मेनिया एक साथ ईयू और रूस-नेतृत्व वाले आर्थिक ब्लॉक में नहीं रह सकता

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को आर्मेनिया को चेतावनी दी कि वह यूरोपीय संघ) और रूस-नेतृत्व वाले आर्थिक संगठन, यूरोएशियाई आर्थिक संघ दोनों का सदस्य नहीं बन सकता। पुतिन ने कहा कि रूस आर्मेनिया के ईयू के साथ करीबी संबंध बनाने के प्रयास को लेकर पूर्ण रूप से शांत है, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि आर्मेनिया के लिए ईयू और ईएईयू दोनों में होने की संभावना असंभव है। आर्मेनिया, जिसने पिछले साल अमेरिका के मध्यस्थता में अजरबैजान के साथ दशकों पुराने संघर्ष का अंत किया, अब ईयू के साथ अपने संबंध मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। प्रधानमंत्री निकोल पशिनयान ने ईयू में शामिल होने का इरादा जाहिर किया है और रूस-नेतृत्व वाले सुरक्षा संधि, कलेक्टिव सिक्योरिटी ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन' में देश की भागीदारी को निलंबित कर दिया। पुतिन ने कहा कि दोनों आर्थिक ब्लॉकों के नियम और बाजार मानक बहुत भिन्न हैं और किसी भी समय समान जमीन पर पहुंचना मुश्किल है। उन्होंने यह भी बताया कि आर्मेनिया को रूस से सस्ते प्राकृतिक गैस की आपूर्ति मिल रही है, जो यूरोपीय कीमतों से काफी कम है। इसके जवाब में, पशिनयान ने स्वीकार किया कि आर्मेनिया दोनों ब्लॉकों का सदस्य नहीं हो सकता, लेकिन उन्होंने कहा कि वर्तमान में ईएईयू में सदस्यता और ईयू के साथ सहयोग को जोड़ा जा सकता है। उन्होंने रूस के साथ गहरे और महत्वपूर्ण संबंध होने पर भी जोर दिया। आर्मेनिया और रूस के लंबे समय से सहयोगी संबंध अजरबैजान द्वारा कराबाख क्षेत्र पर पूरी तरह से कब्जा करने के बाद तनावपूर्ण हो गए हैं। पुतिन ने यह भी कहा कि आर्मेनिया में जून में होने वाले संसदीय चुनावों में प्रॉ-रूस ताकतों को स्वतंत्र रूप से प्रतिस्पर्धा करने दिया जाएगा, और कुछ प्रतिनिधियों को हिरासत में लिया गया है। पाशिन्यान ने उत्तर दिया कि आर्मेनियाई कानून रूस के पासपोर्ट धारकों को चुनाव में भाग लेने से रोकता है।

एवरेस्ट पर खतरनाक साजिश ! टूरिस्ट के खाने में मिलाया जाता था केमिकल

काठमांडु, एजेंसी। दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट से जुड़ा एक चौंकाने वाला घोटाला सामने आया है, जिसने एडवेंचर टूरिज्म की दुनिया को हिला कर रख दिया है। नेपाल में हुई एक बड़ी जांच में खुलासा हुआ है कि कुछ गाइड और ट्रेकिंग एजेंसियां मिलकर विदेशी पर्यटकों के साथ सुनियोजित धोखाधड़ी कर रही थीं।

जांच एजेंसियों के मुताबिक, गाइड्स पर्यटकों के खाने में बेकिंग सोडा मिलाकर उन्हें जानबूझकर बीमार कर देते थे। इससे पर्यटकों को उल्टी-दस्त और कमजोरी जैसी समस्याएं होने लगती थीं, जो देखने में ऊंचाई पर होने वाली बीमारी (एल्टीट्यूड सिकनेस) या फूड पॉइजनिंग जैसी लगती थीं। जब पर्यटक अचानक बीमार पड़ जाते, तो उन्हें डराकर तुरंत महंगे हेलिकॉप्टर रेस्क्यू के लिए राजी किया जाता। इसके बाद फर्जी मेडिकल रिपोर्ट और उड़ान दस्तावेज तैयार कर अंतरराष्ट्रीय इंश्योरेंस कंपनियों से मोटी रकम वसूली जाती थी।

नेपाल पुलिस ने इस मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 32 लोगों पर संगठित अपराध और धोखाधड़ी के आरोप लगाए हैं। इसमें ट्रेकिंग कंपनी के मालिक, हेलिकॉप्टर ऑपरेटर और कुछ अस्पतालों के अधिकारी भी शामिल हैं। जांच की शुरुआत इस साल जनवरी में हुई थी, जब तीन प्रमुख रेस्क्यू कंपनियों के छह अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि इस पूरे नेटवर्क ने करीब 20 मिलियन डॉलर (लगभग 160 करोड़ रुपये) की धोखाधड़ी की।

एक कंपनी पर आरोप है कि उसने 1,248 रेस्क्यू में से 171 मामलों को फर्जी दिखाकर 10 मिलियन डॉलर से ज्यादा की रकम हासिल की। दूसरी कंपनी ने 471 में से 75 रेस्क्यू फर्जी बताकर करीब 8 मिलियन डॉलर की ठगी की, जबकि तीसरी कंपनी ने 71 फर्जी मामलों के जरिए 1 मिलियन डॉलर से ज्यादा वसूले। इन सभी मामलों में अभियोजन पक्ष ने कुल 11.3 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगाने की मांग की है। कोर्ट भी इस हाई-प्रोफाइल केस को प्राथमिकता के साथ देख रहा है।

गौरतलब है कि नेपाल का पर्यटन उद्योग देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है और इससे सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से 10 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलता है। लेकिन इस तरह के घोटाले पहले भी सामने आ चुके हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि को नुकसान पहुंचा है। बीते कुछ सालों में कई बड़ी इंश्योरेंस कंपनियों ने नेपाल में ट्रेकिंग करने वाले पर्यटकों को कवर देना भी बंद कर दिया था, क्योंकि ऐसे फ्रॉड के मामले लगातार बढ़ रहे थे।

अंतरिक्ष में टॉयलेट का जिक्र! आर्टेमिस-2 में गए यात्रियों के कमांडर ने पहले संदेश में क्या कहा?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने आर्टेमिस-2 मिशन को सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया है। फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से एसएलएस रॉकेट ने 'इंटीग्रिटी' नाम के ओरियन कैप्सूल को अंतरिक्ष में पहुंचाया। भारतीय समय के अनुसार यह लॉन्चिंग गुरुवार सुबह 4:05 बजे हुई। इस मिशन के साथ ही इंसान करीब 54 साल बाद एक बार फिर चांद की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। इस मिशन को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नासा के आर्टेमिस 2 मिशन के सफल प्रक्षेपण पर नासा की टीम और अंतरिक्ष यात्रियों को बधाई दी है। उन्होंने इस लॉन्च को अद्भुत बताया। इस ऐतिहासिक मिशन में चार अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं। टीम की कमान रीड वाइसमैन संभाल रहे हैं। उनके साथ पायलट विक्टर ग्लोवर, मिशन विशेषज्ञ क्रिस्टीना कोच और कनाडा के जेरेमी हैनसेन यात्रा कर रहे हैं। लॉन्चिंग के एक घंटे बाद रॉकेट ने कैप्सूल को पृथ्वी की ऊंची कक्षा में पहुंचा दिया। अब अंतरिक्ष यात्री अगले 25 घंटों तक कैप्सूल के सभी सिस्टम की जांच करेंगे। इसके बाद वे चांद की ओर अपनी मुख्य यात्रा शुरू करेंगे। इस बीच अंतरिक्ष से पहला संदेश भी आ गया है। संदेश में कमांडर रीड वाइसमैन ने बताया कि 'इंटीग्रिटी' पर सूर्योदय हो रहा है। इसी बीच मिशन के शुरुआती चरण में मिशन विशेषज्ञ क्रिस्टीना कोच ने अंतरिक्ष यान के टॉयलेट को ठीक करने का जरूरी काम भी संभाला ताकि 10 दिन की यात्रा आरामदायक रहे। यह दस दिन की यात्रा अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी से करीब 4.06 लाख किलोमीटर दूर तक ले जाएगी। अंतरिक्ष यात्री चांद के करीब जाएंगे लेकिन वहां उतरेंगे नहीं। वे चांद की परिक्रमा करके सुरक्षित पृथ्वी पर लौटेंगे। इस दौरान वैज्ञानिक 'ऑर्गन-ऑन-ए-चिप' तकनीक से इंसानी शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करेंगे। वे देखेंगे कि गहरे अंतरिक्ष के रेडिएशन से डीएनए को कितना नुकसान होता है। इस मिशन की लॉन्चिंग पहले कई बार टली थी। फरवरी और मार्च में तकनीकी दिक्कतों और ईंधन की जांच के कारण इसे समय पर नहीं भेजा जा सका था।

पाकिस्तान को तगड़ा झटका, मुस्लिम देश ने बंद कर दी बड़ी सुविधा, भारत को राहत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पश्चिम एशियाई देश कतर ने एक बड़ा कूटनीतिक फैसला लेते हुए पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा ऑन अराइवल (पहुंचने पर वीजा) की सुविधा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जहां एक ओर पाकिस्तान इस समय कड़े यात्रा प्रतिबंधों का सामना कर रहा है, वहीं दूसरी ओर भारत और कतर के प्रगाढ़ होते रिश्तों का असर स्पष्ट दिख रहा है। युद्ध जैसी वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद, कतर ने भारतीय नागरिकों के लिए वीजा नियमों को उदार बनाए रखा है।

पाकिस्तानियों के लिए अनिवार्य हुआ पहले से वीजा लेना कतर में स्थित पाकिस्तानी दूतावास ने मंगलवार को एक आधिकारिक यात्रा परामर्श जारी करते हुए इस बदलाव की पुष्टि की है। दूतावास ने स्पष्ट किया है कि अब बिना पहले से प्राप्त वीजा के कतर पहुंचने वाले पाकिस्तानी यात्रियों को हवाई अड्डे से ही वापस भेजा जा सकता है। दूतावास ने इस फैसले के पीछे मौजूदा क्षेत्रीय हालात और कतर की आंतरिक सुरक्षा स्थितियों को मुख्य कारण बताया है। यात्रियों को निर्देश दिया गया है कि वे यात्रा की योजना बनाने से पहले आधिकारिक वेबसाइटों के माध्यम से जानकारी जुटाएं और कतरी वीजा केंद्रों से संपर्क करें। एक तरफ जहां पाकिस्तान के लिए नियम सख्त हुए हैं, वहीं भारत के साथ कतर के संबंध और भी मजबूत नजर आ रहे हैं। 28 फरवरी 2026 से कतर सरकार ने उन सभी प्रवेश वीजा की अवधि को स्वत: ही 30 दिनों के लिए बढ़ा दिया था, जो खत्म होने की कगार पर थे। यह विशेष राहत उन भारतीयों को दी गई थी जो पहले से वहां मौजूद थे। विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला न केवल दोनों देशों के बीच के सुरक्षा संबंधों को दर्शाता है, बल्कि वैश्विक मंच पर पाकिस्तान की गिरती साख और भारत के बढ़ते प्रभाव का भी प्रतीक है। युद्ध और क्षेत्रीय तनाव के समय में भी भारतीयों के लिए इन सुविधाओं का निर्बाध जारी रहना नई दिल्ली और दोहा के बीच अटूट भरोसे को रेखांकित करता है।

होर्मुज क्राइसिस: तेल संकट में भी चीन मजबूत

बीजिंग, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव के चलते स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बंद होने का खतरा दुनिया के कई देशों के लिए चिंता का कारण बना हुआ है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इस रास्ते से सबसे ज्यादा तेल आयात करने वाला चीन इस संकट से निपटने के लिए काफी हद तक तैयार नजर आता है।

चीन खाड़ी देशों से भारी मात्रा में तेल लेता है, लेकिन उसने पिछले कई वर्षों में ऐसी नीतियां अपनाई हैं, जिससे उसकी ऊर्जा पर निर्भरता कम हो गई है। यही वजह है कि अन्य एशियाई देशों के मुकाबले चीन इस संकट को बेहतर तरीके से झेल सकता है। चीन की सरकारी मीडिया भी लोगों को यह भरोसा दिला रही है कि देश के पास अपनी ऊर्जा सुरक्षा मजबूत है और घबराने की जरूरत नहीं है।

इलेक्ट्रिक वाहनों से कम हुई तेल की खपत

चीन में इलेक्ट्रिक वाहनों का तेजी से विस्तार हुआ है, जिससे तेल की खपत पर बड़ा असर पड़ा है। 2020 में सरकार ने लक्ष्य रखा था कि 2025 तक 20त्न गाड़ियां इलेक्ट्रिक होंगी, लेकिन यह आंकड़ा पिछले साल ही करीब 50त्न तक पहुंच गया। इस तेजी से बढ़ोतरी के कारण चीन की तेल खपत अब स्थिर हो गई है और पहले के अनुमान के मुकाबले कम तेल आयात करना पड़ रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इलेक्ट्रिक वाहनों के कारण जितना तेल बचा, वह लगभग उतना ही है जितना चीन सऊदी अरब से आयात करता था।

मजबूत बिजली व्यवस्था

चीन की बिजली व्यवस्था काफी हद तक अपने घरेलू संसाधनों पर आधारित है। यहां

बिजली उत्पादन में कोयले और तेजी से बढ़ती नवीकरणीय ऊर्जा (सोलर और पवन) का बड़ा योगदान है।

इस वजह से चीन को बिजली के लिए ज्यादा आयात पर निर्भर नहीं रहना पड़ता और ऊर्जा जरूरतों को आसानी से पूरा किया जा सकता है। साफ ऊर्जा के विस्तार से चीन को हर साल बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने में भी मदद मिल रही है।

तेल के कई स्रोत और बड़ा भंडार

चीन अपनी तेल आपूर्ति को एक ही देश पर निर्भर नहीं रखता। वह रूस, वेनेजुएला और ईरान समेत कई देशों से तेल खरीदता है, जिससे जोखिम कम हो जाता है। इसके अलावा चीन के पास बड़ा तेल भंडार भी है। अनुमान के मुताबिक, उसके पास इतना स्टॉक है कि वह होर्मुज के रास्ते आने वाले तेल की कमी को करीब सात महीने तक पूरा कर सकता है। यह रणनीति उसे अचानक आने वाले संकट से बचाने में मदद करती है। चीन का घरेलू तेल उत्पादन भी बढ़ा है और पिछले साल यह 43 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गया, जो उसकी कुल जरूरत का एक बड़ा हिस्सा पूरा करता है। साथ ही, चीन ने पाइपलाइन नेटवर्क के जरिए रूस, मध्य एशिया और म्यांमार से तेल और गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की है, जिससे समुद्री रास्तों पर निर्भरता कम होती है। हालांकि, भविष्य में और पाइपलाइन परियोजनाएं भी प्रस्तावित हैं, लेकिन उन्हें पूरा होने में अभी समय लगेगा।

भविष्य के लिए मजबूत तैयारी

विशेषज्ञों का मानना है कि चीन धीरे-धीरे विदेशी तेल पर अपनी निर्भरता कम कर रहा है। इलेक्ट्रिक वाहनों और वैकल्पिक ऊर्जा के चलते आने वाले समय में उसकी तेल मांग घट सकती है। इसका मतलब है कि भले ही आयात जारी रहे, लेकिन होर्मुज जैसे रास्तों पर निर्भरता पहले की तरह बड़ा खतरा नहीं बनेगी। कुल मिलाकर, चीन ने पहले से ही ऐसी तैयारी कर ली है कि वह बड़े ऊर्जा संकट के दौरान भी अपनी अर्थव्यवस्था को संभाल सके।

बेलारूस राष्ट्रपति का शॉकिंग ऐलान: अब शांति नहीं चाहिए, हम युद्ध की तैयारी कर रहे!

मिन्स्क , एजेंसी। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने एक बड़ा और चौंकाने वाला बयान देते हुए कहा है कि उनका देश अब शांति के समय में नहीं है, बल्कि युद्ध की तैयारी कर रहा है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब रूस-यूक्रेन वार के कारण पूरे यूरोप में तनाव लगातार बढ़ रहा है। लुकाशेंको ने सैन्य अधिकारियों के साथ बैठक में स्पष्ट कहा कि बेलारूस युद्ध नहीं चाहता, लेकिन आसपास के हालात को देखते हुए तैयार रहना जरूरी है। बेलारूस, रूस का करीबी सहयोगी है और उसने यूक्रेन युद्ध के दौरान मॉस्को का समर्थन भी किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बयान सिर्फ बयानबाजी नहीं, बल्कि एक रणनीतिक संकेत हो सकता है। इससे यह साफ होता है कि बेलारूस अपनी सेना को मजबूत कर रहा है और किसी भी संभावित संघर्ष के लिए तैयार रहना चाहता है। बेलारूस की सीमाएं सीधे रूस और यूक्रेन के पास हैं, साथ ही कई नाटो देशों के भी करीब हैं। ऐसे में यह बयान नाटो और पश्चिमी देशों के लिए चिंता का विषय बन गया है। इसका असर आम जनता पर भी पड़ सकता है जैसे ज्यादा सैन्य अभ्यास, रक्षा बजट में बढ़ोतरी और सुरक्षा नियमों का सख्त होना। लोगों के जीवन में अस्थिरता बढ़ सकती है। फिलहाल यह साफ नहीं है कि बेलारूस सीधे किसी युद्ध में शामिल होगा या सिर्फ अपनी सुरक्षा मजबूत कर रहा है। लेकिन इतना जरूर है कि इस बयान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा दी है और आने वाले दिनों में हालात पर सबकी नजर रहेगी।

ट्रंप ने किया ईरानी सेना को नष्ट करने का दावा, तेहरान ने इस्राइल पर दागीं मिसाइलें

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में एक महीने से ज्यादा समय से चल रहे संघर्ष में हालात अब विस्फोटक और बेकाबू हो चुके हैं। इस्राइल और अमेरिका का ईरान के साथ जारी भीषण टकराव अब अपने 34वें दिन में प्रवेश कर चुका है और हालात ज्यादा खतरनाक रूप ले चुका है। मिसाइलों की बारिश और लगातार धमाकों ने तबाही का मंजर खड़ा कर दिया है। यह युद्ध अब सीमाओं को तोड़कर वैश्विक खतरा बन गया है, जहां हर पल विनाश और अनिश्चितता का साया गहराता जा रहा है।

इस्राइली सेना ने कुछ देर पहले दो बयान जारी कर ईरान की धरती से इस्राइल की ओर दागी गई मिसाइलों की चेतावनी दी है। चैनल 12 के मुताबिक, इन हमलों से उत्तरी इस्राइल में दहशत फैल गई है और इनमें से एक मिसाइल में खतरनाक वारहेड लगा हुआ है।

तीन इंडोनेशियाई शांति सैनिकों की हत्या मामले की जांच में लग सकता है समय: यूएन प्रवक्ता स्टीफन डुजारिक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को उम्मीद है कि जमीनी हालात चुनौतीपूर्ण होने और घटना स्थल तक पहुंचने में देरी के बावजूद वह जल्द ही जांच की स्थिति के बारे में जानकारी दे पाएगा। डुजारिक ने आगे कहा, 'इन जांचों में समय लगता है, क्योंकि तकनीकी विशेषज्ञ घटनास्थल पर मौजूद भौतिक साक्ष्यों की जांच करते हैं, जबकि अन्य

विशेषज्ञ संदर्भ का अध्ययन करते हैं और संबंधित पक्षों से संपर्क करके जानकारी एकत्र और सत्यापित करते हैं। '

डेमोक्रेटिक सांसदों की ट्रंप के भाषण पर दी तीखी प्रतिक्रिया: अमेरिकी कांग्रेस के डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्यों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्र के नाम संबोधन की कड़ी आलोचना की है। सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणियों में डेमोक्रेटिक सांसदों ने ट्रंप के भाषण को घृणित और भयावह करार देते हुए कई सवाल उठाए हैं। कांग्रेस सदस्य यास्मीन अंसारी ने ईरान को पाषाण युग में वापस भेजने की ट्रंप की धमकी को नौ करोड़ लोगों वाले देश के बारे में बात करने का एक घृणित और भयावह तरीका बताया। उन्होंने इस तरह की भाषा के इस्तेमाल पर गहरी चिंता जताई।

कांग्रेस सदस्य जिम हाइम्स ने कहा कि ट्रंप का भाषण समाप्त होने के एक घंटे के भीतर ही तेल की कीमतों में पांच डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि हुई। वहीं, सीनेटर क्रिस वैन होलेन ने ट्रंप के इस दावे को झूठ करार दिया कि उन्होंने दो सप्ताह से अधिक समय पहले हम जीत गए थे। उन्होंने कहा, 'यह भ्रमित व्यक्ति हमारे देश और दुनिया के लिए खतरा है।' वैन होलेन ने ट्रंप के बयानों को खतरनाक बताते हुए उनकी मानसिक स्थिति पर भी सवाल उठाए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि वॉशिंगटन ने ईरानी सेना को नष्ट कर दिया है और अपने युद्ध उद्देश्यों को प्राप्त करने के करीब है। इस बयान के बाद ईरान ने इस्राइल पर कई मिसाइलें दागी हैं। ईरान के इस हमले को अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है। कुवैत में विभिन्न कारणों से जान गंवाने वाले 20 भारतीय नागरिकों के पार्थिव शरीर बुधवार को केरल के कोचीन हवाईअड्डे पर पहुंचे। इनमें तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले के मुथुकुलथुर निवासी संथानसेल्वम कृष्णन का शव भी शामिल था।

ब्रीफ न्यूज

आईपीएल में आज होगा गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स में मुकाबला

शाम 07 :30 बजे से शुरू होगा मैच

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार शाम को गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेंगी। गुजरात की कप्तानी जहां शुभमन गिल के पास है। वहीं रॉयल्स की कमान युवा रियान पराग संभालेंगे। इस सत्र में गुजरान की टीम को जहां अपने पहले ही मैच में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं रॉयल्स ने अपना पहले ही मैच जीता था। ऐसे में जहां गुजरात सत्र की पहले जीत दर्ज करने उतरेगी। वहीं राजस्थान अपनी जीत के सिलसिले को बरकरार रखना चाहेगी। इन दोनों ही टीमों के बीच पिछले आईपीएल सीजन दो मुकाबले हुए थे जिसमें से एक गुजरात ने जबकि एक राजस्थान ने जीता था। इनके बीच अंतिम मुकाबला जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला गया था जिसमें राजस्थान रॉयल्स की टीम ने जीत हासिल की थी।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

राजस्थान रॉयल्स : रयान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नंद्रे बर्गर, संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई, बृजेश शर्मा।

एक दशक बाद जिम्बाब्वे का दौरा करेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम इसी साल सितंबर में जिम्बाब्वे का दौरा करेगी। इस दौरे में ऑस्ट्रेलिया तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम एक दशक के बाद जिम्बाब्वे जा रही है। इससे पहले वह साल 2014 में जिम्बाब्वे गयी थी। सीरीज 15 सितंबर को शुरू होगी, जबकि दूसरा और तीसरा मैच 18 और 20 सितंबर को खेला जाएगा। ये सभी मैच हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे। वहीं इस दौरे को लेकर जिम्बाब्वे बोर्ड उत्साहित हैं। उसका मानना है कि इससे टीम को आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 की तैयारी का अवसर मिलेगा। टी20 विश्कप के मेजबानों में दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ जिम्बाब्वे, भी शामिल है। जिम्बाब्वे क्रिकेट के मैनेजिंग डायरेक्टर गिवमोर माकोनी ने कहा कि यह दौरा टीम के लिए एक अहम मोड़ पर आया है। उन्होंने कहा, हमें ऑस्ट्रेलिया का जिम्बाब्वे में फिर से स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। यह एक बेहद रोमांचक एकदिवसीय सीरीज होने की उम्मीद है। शीर्ष स्तर की टीम के खिलाफ मैच से ही हमारी टीम आगे बढ़ेगी। ये टीम के विकास के लिए भी बहुत जरूरी हैं। पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 नजदीक आ रहा है, ऐसे में यह दौरा हमें अपनी तैयारियों को मजबूत करने का एक अच्छा अवसर देता है। हम दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ मिलकर इस टूर्नामेंट की मेज़बानी की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

टाइगर वुड्स ने राइडर कप से नाम वापस लेने के साथ ही खेल से ब्रेक लिया

न्यूयार्क। विश्व के नंबर एक दिग्गज रहे गोल्फर टाइगर वुड्स फिट नहीं होने के कारण राइडर कप गोल्फ टूर्नोमेंट में भाग नहीं लेंगे। वुड्स ने खराब सेहत का हवाला देते हुए खेल से ब्रेक लेने की भी घोषणा कर दी है। वुड्स ने कहा है कि वह इलाज के लिए विदेश जा रहे हैं। वह पिछले कुछ समय से गोल्फ से जुड़ी गतिविधियों से दूर थे पर गुरुवार को उन्होंने औपचारिक रूप से राइडर कप की कप्तानी ठुकरा दी साथ ही कहा कि वह इलाज के लिए विदेश जा रहे हैं। उन्हें अदालतन ने इलाज के लिए देश से बाहर जाने की अनुमति भी दे दी है। वुड्स को पिछले सप्ताह नशे में गाड़ी चलाने के संदेह के कारण गिरफ्तार किया गया था हालांकि कुछ घंटे बाद ही उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया था। इसी कारण उन्हें विदेश जाने से पहले अदालत से अनुमति लेनी पड़ी हैं। वुड्स ने एक बयान जारी कर कहा कि वह 'इलाज कराने और अपने स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए' अनिश्चित काल के लिए खेल से दूर जा रहे हैं। उनके वकील डगलस डंकन ने दायर एक याचिका में न्यायाधीश से वुड्स को उपचार के लिए विदेश जाने की अनुमति देने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि वुड्स को इलाज के लिए विदेश इसलिए जाना पड़ रहा है क्योंकि अमेरिका में उनके लिए अपनी निजता बनाये रखना संभव नहीं है।

13 महीने बाद रिंग में लौट रहीं चैम्पियन लॉरेन प्राइस

कहा- पैसा कमाना, बॉक्सिंग में विरासत बनाना लक्ष्य; ओलिंपिक चैम्पियन शनिवार को स्टेफनी के खिलाफ उतरेंगी

लंदन। आईबीएफ और डब्ल्यूबीसी वेल्टरवेट चैम्पियन वेल्स की लॉरेन प्राइस 13 महीनों के इंतजार के बाद बॉक्सिंग रिंग में वापसी कर रही हैं। टोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाली लॉरेन ने पिछले साल मार्च में नताशा जोनस को हराकर अपनी बादशाहत साबित की थी। लेकिन उसके बाद से उन्हें रिंग में उतरने का मौका नहीं मिला। अब शनिवार को वे प्यूर्टो रिको की अजेय बॉक्सर स्टेफनी पिनेइरो एक्विनो के खिलाफ अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगी। इतने लंबे समय तक रिंग से दूर रहने के पीछे के कारणों पर लॉरेन ने बॉक्सिंग के अंदरूनी खेल और राजनीति को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, 'बाहर के लोगों को यह आसानी से समझ नहीं आता। लेकिन अक्सर यह आपके प्रमोटर, पैसों और कॉन्ट्रैक्ट की उलझनों पर निर्भर करता है। जब आप चैम्पियन बन जाते हैं, तो सामने वाले बॉक्सर बहुत ज्यादा पैसों की मांग करते हैं, जिससे मैच तय होने में समय लगता है।' लॉरेन का सफर उनके प्रमोटर 'बॉक्सर' की वित्तीय परेशानियों और कॉन्ट्रैक्ट के मुद्दों के कारण अटका हुआ था। इस दौरान उनके ट्रेनर रॉब मैक्रैकन ने उन्हें संभाला। लॉरेन का साफ कहना है कि वह बॉक्सिंग से जितना हो सके उतना पैसा कमाना चाहती हैं और अपने देश वेल्स में खास विरासत बनाना चाहती हैं।

31 वर्षीय लॉरेन की निजी जिंदगी में भी खुशियां दस्तक देने वाली हैं। 4 अप्रैल के इस मैच के बाद, वे 30 मई को बचपन की दोस्त कार्ला से शादी करेंगी। उन्होंने पिछले साल ही सगाई की थी। कार्ला बुजुर्गों की देखभाल से जुड़ा अपना एक बिजनेस चलाती हैं और बॉक्सिंग की दुनिया से उनका कोई लेना-देना नहीं है। लॉरेन कहती हैं कि इससे उन्हें बहुत सुकून मिलता है क्योंकि घर लौटने पर हर वक्त सिर्फ बॉक्सिंग की बातें नहीं होतीं। लॉरेन की सफलता का सफर आसान नहीं रहा है। जब वह सिर्फ तीन दिन की थीं, तब शराब की लत के शिकार उनके माता-पिता ने उन्हें छोड़ दिया था। उन्हें उनके दादा-दादी ने गोद लिया। लॉरेन कहती हैं, 'मुझे अपने माता-पिता की याद नहीं आती। मैं बस अपने दादा-दादी की शुक्रगुजार हूं जिन्होंने मुझे हमेशा प्यार दिया और सिखाया कि कोई भी सपना छोटा या अजीब नहीं होता।

मैच-7 • पंजाब ने चेन्नई को 5 विकेट से हराया

श्रेयस का पचासा; म्हात्रे की मेहनत पर फिरा पानी

मुंबई। आईपीएल में पंजाब किंग्स की लगातार दूसरी जीत:चेन्नई को 5 विकेट से हराया, कप्तान श्रेयस की फिफ्टी; वैशाख ने 2 विकेट लिए

आईपीएल के 7वें मैच में पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 5 विकेट से हरा दिया। यह PBKS की लगातार दूसरी जीत और छ्स्थ की लगातार दूसरी हार है। चेपॉक स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी चेन्नई ने 5 विकेट खोकर 208 रन बनाए। पंजाब ने 18.4 ओवर में 5 ही विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया।

PBKS के लिए कप्तान श्रेयस अय्यर ने फिफ्टी लगाई। प्रभसिमरन सिंह ने 43, प्रियांश आर्या ने 39 और कूपर कोनोली ने 36 रन बनाए। विजयकुमार वैशाख ने 2 विकेट लिए। छ्स्थ के लिए आयुष म्हात्रे ने फिफ्टी लगाई। शिवम दुबे ने 45 और सरफराज खान ने 32 रन बनाए। मैट हेनरी और अंशुल कम्बोज को 2-2 विकेट मिले। PBKS ने चेन्नई से पहले गुजरात को भी हराया था। वहीं चेन्नई को राजस्थान से भी हार मिली थी। पंजाब ने चेन्नई को पिछले 9 मैचों में 8वीं बार हराया। स्टोयनिस ने विनिंग बाउंड्री लगाई 19वें ओवर की चौथी बॉल पर मार्कस स्टोयनिस ने सामने की दिशा में चौका लगाया। इसी के साथ टीम ने 5 विकेट से मुकाबला जीत लिया। स्टोयनिस 9 और शशांक सिंह 14 रन बनाकर नॉटआउट लौटे।

पंजाब के 200 रन पूरे

19वें ओवर में पंजाब किंग्स ने 200 रन पूरे कर लिए। शशांक सिंह ने अंशुल कम्बोज के खिलाफ ओवर की पहली गेंद पर चौका लगाया और टीम की डबल सेंचुरी पूरी करा दी।

पंजाब ने 2 गेंद पर 2 विकेट गंवाए

पंजाब किंग्स ने 2 गेंद पर 2 विकेट गंवा दिए। 17वें ओवर की आखिरी गेंद पर श्रेयस अय्यर कैच आउट हो गए। 18वें ओवर की पहली गेंद पर नेहल वाधेरा भी कैच हो गए। श्रेयस ने 50, वाधेरा ने 10 रन बनाए।

श्रेयस ने फिफ्टी लगाई

पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने 17वें ओवर में फिफ्टी लगा दी। ओवर की चौथी गेंद पर श्रेयस ने अंशुल कम्बोज के खिलाफ चौका लगाया और 26 गेंद पर हाफ सेंचुरी कम्प्लीट कर ली।

IPL 2026 के टॉप-3 विकेट टेकर

विजयकुमार वैशाख PBKS	जयदेव उनादकट SRH	अंशुल कम्बोज CSK
5 विकेट | 2 मैच	4 विकेट | 2 मैच	4 विकेट | 2 मैच

IPL 2026 पॉइंट्स टेबल

रैंक	टीम	मैच	जीत	हार	अंक	NRR
1	PBKS	2	2	0	4	+0.637
2	RR	1	1	0	2	+4.171
3	RCB	1	1	0	2	+2.907
4	DC	1	1	0	2	+1.397
5	MI	1	1	0	2	+0.687
6	SRH	2	1	1	2	+0.469
7	GT	1	0	1	0	-0.509
8	LSG	1	0	1	0	-1.397
9	KKR	2	0	2	0	-1.964
10	CSK	2	0	2	0	-2.562

देहरादून में कल से शुरू होगी अंडर-20 स्टेट एथलेटिक्स मीट

देहरादून । उत्तराखंड के युवा और होनहार एथलीट्स के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का बड़ा मंच तैयार है। उत्तराखंड एथलेटिक्स एसोसिएशन के तत्वावधान में 4 और 5 अप्रैल को उत्तराखंड राज्य जूनियर (अंडर-20) एथलेटिक्स मीट का आयोजन होने जा रहा है। प्रतियोगिता देहरादून के महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में आयोजित होगी। उत्तराखंड एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव केजेएस कलसी ने इस खेल महाकुंभ की जानकारी देते हुए बताया कि दो दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में प्रदेश भर से अंडर-20 आयु वर्ग के लड़के और लड़कियां ट्रैक और फील्ड इवेंट्स में अपना दम-खम दिखाएंगे। आयोजकों ने खिलाड़ियों के लिए कुछ सख्त नियम बनाए हैं, जिनका पालन करना अनिवार्य है। स्पोर्ट्स कॉलेज पहुंचने पर सबसे पहले खिलाड़ियों के दस्तावेजों की जांच होगी। जांच में सफल होने के बाद ही मौके पर बिब नंबर आवंटित किया जाएगा। 4 अप्रैल को एथलीटों को अपने इवेंट से 3 घंटे पहले रिपोर्ट करना होगा। जबकि 5 अप्रैल को एथलीटों को अपने इवेंट से 1 घंटे पहले रिपोर्ट करना अनिवार्य है।

आईपीएल में आज दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला मुम्बई से

दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा मैच

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार को अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स की टीम का मुकाबला पांच बार की विजेता हार्दिक पांड्या की मुम्बई इंडियंस से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमों का लक्ष्य जीत हासिल करना रहेगा। मैच दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा। इस मैच में दिल्ली को घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा पर इसके बाद भी उसकी दावेदारी कमजोर नजर आती है। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच 37 मुकाबले हुए है जिसमें से मुम्बई ने 21 जबकि दिल्ली ने 16 जीते हैं। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में मुकाबला काफी कड़ा है, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स को थोड़ी बढ़त हासिल है, क्योंकि उसने 13 में से 7 मैच जीते हैं। इन दोनों ही टीमों के बीच पिछले आईपीएल सत्र में दो मुकाबले हुए थे जो कि दोनों ही मुंबई इंडियंस ने जीतकर अपने नाम किए। इनके बीच हुए अंतिम मुकाबले की तो वो मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में हुआ था जिसमें मुम्बई ने जीत दर्ज की।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह इस प्रकार है।

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), पथुम निसांका, नीतीश राणा, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर, विपराज निगम, लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव, टी नटराजन, मुकेश कुमार

मुम्बई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, रयान रिकेलटन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, शेरफेन रदरफोर्ड, नमन धीर, शार्दुल ठाकुर, मयंक मारकंडे, एएम गजनफर, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह

ऋषिकेश में बनेगा दिव्यांगों के लिए हाईटेक इंडोर बैडमिंटन हॉल

62.67 लाख का फंड मंजूर; प्रतिभाओं को मिलेगा नेशनल-इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म

देहरादून। उत्तराखंड के मेधावी दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर है। राज्य में पहली बार खास तौर पर दिव्यांगजनों के लिए एक आधुनिक (हाईटेक) इंडोर बैडमिंटन हॉल का निर्माण किया जा रहा है। यह हॉल ऋषिकेश में बनेगा। सुविधाओं के अभाव में अपनी प्रतिभा न दिखा पाने वाले खिलाड़ियों को अब नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर चमकने का मौका मिलेगा। जिलाधिकारी सविन बंसल की इस संवेदनशील पहल पर काम भी शुरू हो गया है। इस पूरे प्रोजेक्ट के लिए जिला खनिज फाउंडेशन फंड से 62.67 लाख रुपए की राशि मंजूर की गई है। प्रोजेक्ट की 3 अहम बातें इंडोर बैडमिंटन हॉल के निर्माण के लिए प्रशासन ने जमीन चिह्नित कर ली है और निर्माण कार्य भी शुरू करवा दिया गया है। प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी नगर निगम, ऋषिकेश को सौंपी गई है। डीएम ने 'अर्जेंट नीड बेसिस' पर पहली किस्त के रूप में 25.41 लाख रुपए पहले ही जारी कर दिए हैं। वहीं, संशोधित एस्टीमेट के बाद शेष 37.26 लाख रुपए की अतिरिक्त धनराशि भी मंजूर कर दी गई है। इस हॉल का डिजाइन दिव्यांगों की विशेष जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है, ताकि वे बिना किसी बाधा के अपनी प्रैक्टिस कर सकें।सुविधाओं के अभाव में नहीं छिपेगा टैलेंट कई बार ऐसा होता है कि दिव्यांग खिलाड़ियों में गजब की प्रतिभा होती है, लेकिन बुनियादी ढांचे और खेल सुविधाओं के अभाव में उनका टैलेंट दुनिया के सामने नहीं आ पाता।

देहरादून में सचिवालय सुपर लीग का आगाज

पहले दिन सचिवालय 'ए' और 'माइटी 11' की जीत; राहुल और संतोष बने 'मैन ऑफ द मैच'

देहरादून । राजधानी के रायपुर स्थित महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड में बहुप्रतीक्षित 'सचिवालय सुपर लीग 2026' का शानदार आगाज हो गया है। टूर्नामेंट के पहले दिन शुक्रवार को दो रोमांचक मुकाबले खेले गए, जिनमें सचिवालय 'ए' और 'सचिवालय माइटी 11' ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत का परचम लहराया।

सागर की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी, सचिवालय 'ए' ने 58 रन से जीता मैच

टूर्नामेंट का उद्घाटन मुकाबला सचिवालय 'ए' और 'सचिवालय रॉयल स्ट्राइकर' के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सचिवालय 'ए' के बल्लेबाजों ने मैदान के चारो तरफ शॉट लगाए और निर्धारित ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 234 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम की तरफ से सागर ने सबसे ज्यादा 87 रनों की शानदार पारी खेली, जबकि टीएच खान ने 42 रनों का अहम योगदान दिया। रॉयल स्ट्राइकर की ओर से विवेक, रोहित, सूर्या और चंदन को 1-1 विकेट मिला। पहाड़ जैसे 235 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सचिवालय 'रॉयल स्ट्राइकर' की टीम दबाव में बिखर गई और 8 विकेट खोकर 176 रन ही बना सकी। हालांकि, प्रदीप आगरी (57 रन) और नीरज गिरी (43 रन) ने एक छोर संभालकर संघर्ष किया, लेकिन टीम को जीत की दहलीज पार नहीं करा सके।

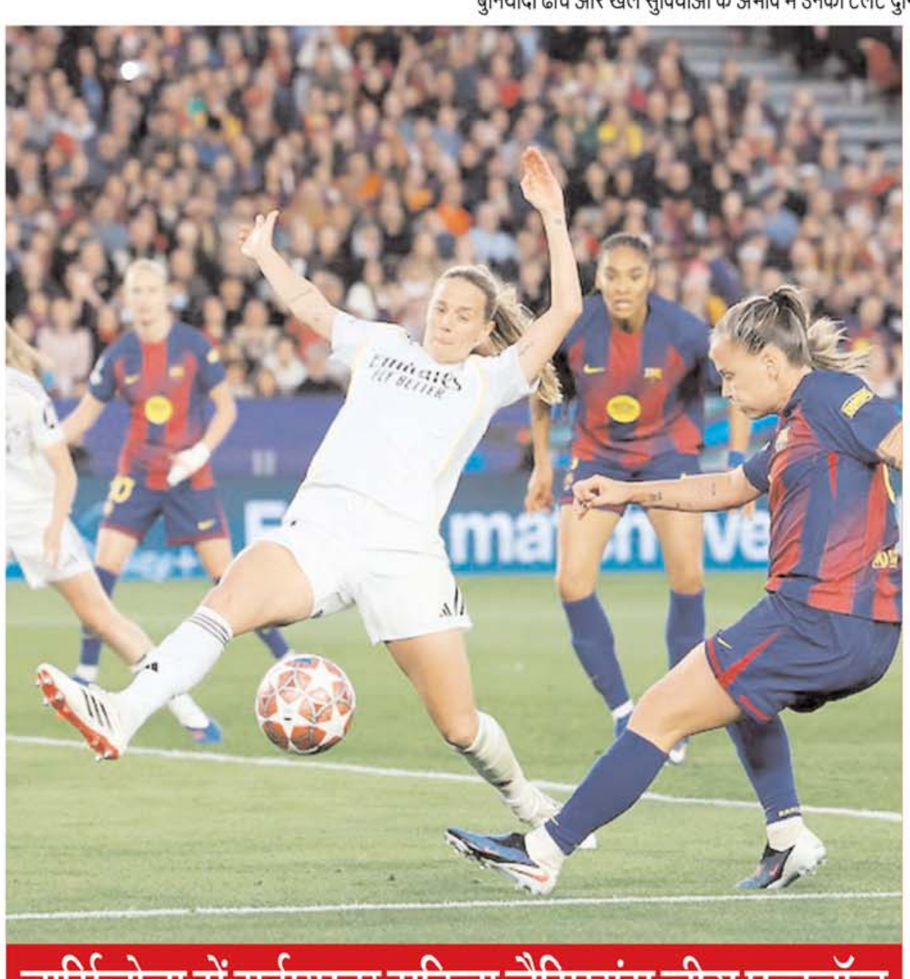

बार्सिलोना में यूईएफए महिला चैम्पियंस लीग फुटबॉल में खेलती हुई बार्सिलोना और रियल मैड्रिड की टीमें।

केकेआर के खिलाफ मैच में आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन, एक डिमेरिट पॉइंट भी मिला

अभिषेक शर्मा पर मैच फीस का 25% जुर्माना

ईडन गार्डन्स। सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा पर आईपीएल मैच के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया गया है। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ गुरुवार को ईडन गार्डन्स में खेले गए मुकाबले में उन्होंने आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन किया, जिसके चलते उन पर मैच फीस का 25% जुर्माना लगाया गया। इसके साथ ही उनके खाते में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ दिया गया है।

अभिषेक ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है। आईपीएल द्वारा जारी बयान के अनुसार, उन्होंने लेवल-1 के अपराध के तहत मैच रेफरी द्वारा दी गई सजा को मंजूर कर लिया है।

आर्टिकल 2.3 के उल्लंघन के दोषी पाए गए अभिषेक

अभिषेक शर्मा को आईपीएल की आचार संहिता के आर्टिकल 2.3 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। यह आर्टिकल आमतौर पर मैच के दौरान 'अनुचित व्यवहार' या खेल भावना के विपरीत कमेंट्स या इशारों से संबंधित होता है।

हालांकि, रिप्ले से कैच पूरी तरह स्पष्ट नहीं लग रहा था, लेकिन तीसरे अंपायर ने अलग-अलग एंगल से जांच करने के बाद अभिषेक को आउट करार दिया। फैसले से असंतुष्ट अभिषेक नाराज होकर मैदान से बाहर जाते नजर आए। अभिषेक अपना अर्धशतक पूरा नहीं कर सके और 21 गेंदों पर 48 रन बनाकर आउट हुए।

सस्पेंशन का भी खतरा

अभिषेक शर्मा के खाते में एक डिमेरिट पॉइंट जुड़ने का मतलब है कि उन्हें अब अगले मैचों में सावधान रहना होगा।आईपीएल के नियमों के मुताबिक, यदि कोई खिलाड़ी एक निश्चित समय सीमा के भीतर 4 या उससे अधिक डिमेरिट पॉइंट जमा कर लेता है, तो उस पर एक या अधिक मैचों का प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

कैच आउट होने पर नाराजगी जताई

मैच रेफरी ने अभी तक उस घटना का खुलासा नहीं किया है, जिसके कारण यह कार्रवाई की गई। हालांकि, माना जा रहा है कि अभिषेक शर्मा ने कैच आउट होने पर थर्ड अंपायर के फैसले पर नाराजगी जताई थी। दरअसल, 8.4 ओवर में अभिषेक शर्मा आउट हो गए। ब्लेसिंग मुजरबानी ने 112 किमी/घंटा की धीमी शॉर्ट ऑफ लेंथ गेंद फेंकी, जिस पर अभिषेक ने पुल शॉट खेला। गेंद डीप स्क्वेयर लेग की ओर गई, जहां बाउंड्री पर मौजूद वरुण चक्रवर्ती तेजी से अपने दाईं ओर भागे, नीचे झुककर शानदार डाइव लगाई और कैच पकड़ लिया।

मैच रेफरी का फैसला ही अंतिम

आईपीएल के नियमों के अनुसार, लेवल-1 के उल्लंघन के मामलों में मैच रेफरी का फैसला ही अंतिम और बाध्यकारी होता है। इसमें खिलाड़ी के पास अपील करने का विकल्प नहीं होता। अभिषेक ने अपनी गलती मान ली है, इसलिए अब इस मामले में आगे कोई औपचारिक सुनवाई नहीं होगी।

संगठन सृजन की बैठक चांपा ब्लॉक में हुई सम्पन्न

चांपा/मूक पत्रिका

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आदेशानुसार व जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर आज ब्लॉक चांपा शहर में बैठक रखी गई। सर्वप्रथम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के तैलीय चित्र पर माल्यार्पण फूल माला धूप दीप पुष्पांजलि करते हुए कार्यक्रम की शुरुवात की गई। तत्पश्चात जिलाध्यक्ष राजेश अग्रवाल का श्री फल शाल से स्वागत ब्लॉक अध्यक्ष सुनील साधवानी, जिला महामंत्री नागेंद्र गुप्ता, सेवक बूटू देवांगन, सेक्टर प्रभारी ललित देवांगन, डुग्गू प्रधान, दुर्गा कुर्रे, संजय देवांगन, रंजन केवट ने किया। प्रभारी राजेन्द्र शुक्ला स्वागत तीनो मंडल अध्यक्ष नारायण सोनी, अनिल मोदी, राज सरोज, द्वारा किया। प्रभारी डॉ. काजल किरण सिंह स्वागत पार्षद अंजली देवांगन, श्रीमती शांति सोनी, अनीता प्रकाश, रामबाई, स्वर्णकार, कविता देवांगन द्वारा श्री फल शाल भेंटकर किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने सभी को निर्देशित करते हुए बताया कि उदयपुर संकल्प शिविर से हर बूथ हर वार्ड में कमेटी बनाकर पार्टी मजबूती प्रदान करते हुए हर कार्यकर्ता 2028 के लिए कमर कस ले और जल्द से जल्द संगठन मजबूत करके कमेटी गठित कर सूची ब्लॉक अध्यक्ष को सौंपे। वार्ड व बूथ कमेटी के संबंध में विस्तार से चांपा ब्लॉक के प्रभारी राजेन्द्र शुक्ला ने उपस्थित कांग्रेसजनों को बताया और संगठन के बारे में अपनी बातें रखी प्रभारी डॉ. काजल किरण सिंह ने भी अपनी बातें रखते हुए उपस्थित कांग्रेसजनों को महिलाओं को संगठन में जोड़ने उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने व हर बूथ वार्ड में नारी शक्ति को जवाबदारी प्रदान करने के लिए कहा। जिला प्रवक्ता नागेंद्र गुप्ता, ने अपनी बातों को विस्तार रखते हुए हर बूथ सेक्टर मंडल को अपनी अपनी सूची जल्द से जल्द बनाकर संगठन को जमा करने को कहा। मंच का संचालन ब्लॉक अध्यक्ष सुनील साधवानी ने करते हुए उपस्थित सभी कांग्रेस जनों को विस्तार से संगठन सृजन के तहत बूथ सेक्टर मंडल वार्ड कमेटी का विस्तार संबंधित रूपरेखा कैसे तैयार की जाए और जल्द जल्द सूची बनाने निर्देशित किया। कार्यक्रम का आभार मंडल अध्यक्ष अनिल मोदी, ने किया कार्यक्रम में मुखरूप से उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम में उपेन्द्र सिंग, ठाकुर नारायण सोनी, अनिल मोदी, राज सरोज, जिला महामंत्री नागेंद्र गुप्ता, उपाध्यक्ष किशन सोनी, महामंत्री सेवक बूटू देवांगन, श्रीमती शांति सोनी, रामबाई स्वर्णकार, दुर्गा कुर्रे, ललित देवांगन, डुग्गू प्रधान, रंजन केवट, संजय देवांगन, भूपेंद्र चंद्रा, व्यापार प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष राज अग्रवाल, पार्षद अनिल रात्रे, अंजली देवांगन, पुरुषोत्तम देवांगन, पवन साहू, पवन आर्य जिब्बू, गिरधर देवांगन हरदयाल तंवर, राजू शर्मा, माणिक मसीह, अनीता प्रकाश अंजुम, अंसारी, कविता देवांगन, रोहित देवांगन, संतोष अनंत, आशीष कसेर, गोविंदा वैष्णव, भगीरथी दुबे, संजय रत्नाकर, चंद्रदेव महंत, आसन दीवान, परदेशी कुर्रे, राकेश जोशी, आशुतोष गोपाल, मुहम्मद हाशिम, अरुण देवांगन, तीजाऊ राम साहू, गजेंद्र देवांगन, जफर अंसारी, राजू मुर्तजा, कीर्ति दीवान, पुनिराम देवांगन, विक्रम ओजस्वी, योगेश कुर्रे, विष्णु गाड़ा, बसंत भार्गव, छबिलाल पटेल, मुकेश साधवानी, संजय साधवानी, इतवारी यादव, राम साधवानी, गणेश विश्वास सहित कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

ओपन स्कूल परीक्षा में दूसरे से कॉपी लिखवाने का मामला, एक आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के नांदघाट थाना क्षेत्र में छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल की परीक्षा के दौरान धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पुलिस ने परीक्षा केंद्र में दूसरे व्यक्ति से उत्तर पुस्तिका लिखवाने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है, जबकि एक विधि से संघर्षरत बालक भी इस मामले में शामिल बताया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय घुरसेना के निवासी एवं परीक्षा केंद्र अध्यक्ष अजय कुमार दुबे (48 वर्ष) ने 2 अप्रैल 2026 को थाना नांदघाट में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि ग्राम टेमरी स्थित शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कक्षा 10वीं सामाजिक विज्ञान की ओपन स्कूल परीक्षा के दौरान आरोपी आशीष कुमार कुर्रे (20 वर्ष) तथा एक विधि से संघर्षरत बालक ने आपराधिक षड्यंत्र के तहत परीक्षा कक्ष में बैठकर दूसरे अभ्यर्थी की जगह उत्तर पुस्तिका लिखी। रिपोर्ट के आधार पर थाना नांदघाट में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 319(2), 61(2), 3(5) तथा छत्तीसगढ़ मान्यता प्राप्त परीक्षा अधिनियम 1937 की धारा 3(घ)(2) और 4 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल सूचना दी गई, जिसके बाद उनके निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक लेखराम ठाकुर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जांच शुरू की। विवेचना के दौरान आरोपी आशीष कुमार कुर्रे, निवासी चौकी मारो, थाना नांदघाट, जिला बेमेतरा को 3 अप्रैल 2026 को विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि इस मामले में एक विधि से संघर्षरत बालक की भी संलिप्तता पाई गई है, जिसके संबंध में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक लेखराम ठाकुर, प्रधान आरक्षक रविन्द्र तिवारी, विजय शुक्ला तथा आरक्षक मिथुन चंद्रवंशी, संजय साहू, प्रताप यादव, लालचंद भारती, आकाश राजपूत, अजय गोयल, सतीश वर्मा और महेंद्र वर्मा सहित थाना नांदघाट के समस्त पुलिस स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

दोबारा राज्यसभा सांसद बनने के बाद कांकेर पहुंचीं फूलोदेवी नेताम, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ :-कांकेर राज्यसभा के लिए दोबारा सांसद चुने जाने के बाद प्रथम आगमन कांकेर पहुंचीं, जहां कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन की मजबूती और क्षेत्र के विकास के लिए मिलकर काम करने की बात कही। मीडिया से चर्चा में फूलोदेवी नेताम ने कहा कि संसद में जब भी उन्हें अवसर मिला, उन्होंने छत्तीसगढ़ के विकास, किसानों, युवाओं और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को मजबूती से उठाया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के विकास और अधिकारों से जुड़े विषयों को भी उन्होंने हमेशा संसद में बुलंदी और मजबूती के साथ रखा है। उन्होंने बताया कि उनका वर्तमान कार्यकाल 9 अप्रैल को छह साल पूरा करने जा रहा है। इस दौरान उन्होंने लगातार प्रदेश और क्षेत्र के हितों से जुड़े मुद्दों को संसद में रखने का प्रयास किया है। नक्सलवाद के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि झीरम घाटी की घटना आज भी उन्हें याद है, जिसमें कई बड़े नेताओं को खोना पड़ा था। अब बस्तर क्षेत्र में नक्सल गतिविधियों में कमी आई है और सभी चाहते हैं कि नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त हो, ताकि लोग बिना किसी भय के कहीं भी आ-जा सकें। इस अवसर पर कांग्रेस के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

गुरेराडीह किरारी से केसला तक करोड़ों की लागत से बनेगी नई सड़क

सक्ती/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष एवं शक्ति विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ चरण दास महंत ने अपने जिला प्रतिनिधि गुलजार सिंह ठाकुर की मांग पर विधानसभा क्षेत्र शक्ति। जिला- शक्ति के अंतर्गत गुरेराडीह किरारी से केसला तक नई सड़क निर्माण के लिए करोड़ों रुपए की स्वीकृति दिला दी है। जिस पर क्षेत्र की जनता ने महंत जी एवं जिला प्रतिनिधि ठाकुर गुलजार सिंह का धन्यवाद ज्ञापित किया है। उपरोक्त जानकारी देते हुए कृषि उपज मंडी शक्ति के पूर्व अध्यक्ष। विधायक प्रतिनिधि रूपनारायण साहू बाराद्वार में बताया कि तथा उपरोक्त स्वीकृती की सूचना छत्तीसगढ़ शासन लोक निर्माण विभाग मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर अटल नगर जिला रायपुर के पत्र क्रमांक एक 17-576/2025/19/तक-2 के अनुसार प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण भवन, नया रायपुर अटल नगर रायपुर (छ.ग.) और सूचित करते हुए जिला सक्ती के गुरेराडीह किरारी से केसला मुख्य मार्ग तक मार्ग लं. 290 किमी. की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करने बाबत। (मद क्र.-7482)। संदर्भ : आपका पत्र क्रमांक- प्र.अ./7452/02/कार्य-सड़क /570 के अनुसार बताया गया है कि राज्य शासन एतद् द्वारा विषयांकित कार्य के लिये रूपये 442.20 लाख (रूपये चार करोड़ बयालिस लाख बीस हजार मात्र) की प्रशासकीय स्वीकृति निम्न शर्तों के साथ प्रदान करता है एवं उक्त कार्य की तकनीकी स्वीकृति सक्षम अधिकारी से प्राप्त करने के उपरांत ही निविदा आमंत्रित की जायें। तथा निर्धारित औपचारिकतायें पूर्ण कर कार्य को प्रारंभ किया जायें। पुल/पुलिया की डिजाईन/ड्राइंग सक्षम अधिकारी द्वारा अनुमोदित करा कर ही उनका कार्य प्रारंभ किया जायें।कार्य का व्यय मांग संख्या/शीर्ष 64/5054-(04)-(337)-0103-(9002) अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों में सड़को का निर्माण स97 निर्माण कार्य के अंतर्गत विकलनीय होगा।उपलब्ध आबंटन की सीमा में ही व्यय सुनिश्चित किया जाये।उक्त कार्य की निविदा की कार्यवाही प्रमुख अभियंता कार्यालय में गठित निविदा प्रकोष्ठ से कराया जाना सुनिश्चित करें।प्रस्ताव अनुसार भू-अर्जन हेतु राशि स्वीकृत है, अतः स्वीकृति के सीनान्तर्गत ही विधिवत भू-अर्जन हेतु ब्यय किया जायें। भू-अर्जन हेतु प्रस्वावित नीजि भूमि के स्वामित्व, रकबा तथा भू-अर्जन हेतु लागू दर का गहन परीक्षण/जांव राजस्व विभाग के सक्षम स्तर से कराने के बाद ही भू-अर्जन हेतु विधिवत कार्यवाही किया जावे। साथ ही साथ यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि

ग्राम पंचायत सोनाखान में एसबीआई फाउंडेशन एवं समर्थन संस्था द्वारा किया जा रहा है विकास कार्य

युवाओं एवं महिलाओं को मिल रहा है रोजगार के अवसर

शिवरीनारायण/मूक पत्रिका

बलौदाबाजार जिले के ग्राम पंचायत सोनाखान में SBI Foundation एवं Samarthan-Centre for Development Support संस्था के संयुक्त प्रयासों से सम्मान परियोजना अंतर्गत ग्राम स्तर पर कई महत्वपूर्ण विकास कार्य किए गए हैं। इस परियोजना के तहत गांव में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य, सैनिटेशन, युवाओं एवं महिलाओं को शिक्षा और रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से प्रेरणा केंद्र, यूथ सेंटर तथा स्कूलों में रेनोवेशन जैसे कार्य संपन्न कराए गए हैं। इन पहलों से सोनाखान के युवाओं एवं महिलाओं को एक नई दिशा और रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। इसी क्रम में ग्राम पंचायत सोनाखान स्थित शहीद वीर नारायण सिंह वीर वाटिका जीर्णोद्धार कार्य गार्डन में भी नियमित साफ-सफाई, संचालन एवं प्रबंधन के कार्य किए जा रहे हैं। साथ ही गार्डन में स्थापित फाउंटेन की मरम्मत एवं नए फाउंटेन लगाने का कार्य भी कराया गया है। गार्डन के सौंदर्यीकरण के लिए प्लास्टिक वेस्ट से आकर्षक संरचनाएं तैयार की जा रही हैं, जिससे पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया जा रहा है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप गार्डन में घूमने आने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि देखी गई है। साथ ही SBI Foundation द्वारा गार्डन में टिकट काउंटर की शुरुआत भी की गई है, जिससे प्राप्त आय का उपयोग पंचायत के साथ मिलकर गार्डन के रख-रखाव एवं आगे के सौंदर्यीकरण कार्यों में किया जा सके।

जिला खनिज विभाग ने हसौद के करही में की अवैध रेत उत्खनन पर बड़ी कार्रवाई

सक्ती/मूक पत्रिका

कलेक्टर अमृत विकास तोपनो के सख्त निर्देशन में जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध प्रशासन द्वारा लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सक्ती के मार्गदर्शन में तहसील हसौद अंतर्गत ग्राम करही में देर रात्रि लगभग 10 बजे संयुक्त टीम द्वारा प्रभावी कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान अवैध रेत परिवहन में संलिप्त एक हाइवा (क्रमांक CG04क्त09514) एवं एक ट्रैक्टर लोडर को मौके से जब्त किया गया। यह कार्रवाई खनिज एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा योजनाबद्ध तरीके से की गई, जिससे अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों में हड़कंप मच गया। उक्त प्रकरण में छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 एवं खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 के तहत नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर तोपनो ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारियों को सतत निगरानी एवं त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

जेल की रसोई एवं भोजन की गुणवत्ता की जांच करी एडीजे ने

सक्ती/मूक पत्रिका

जिला एवं सत्र न्यायाधीश जयदीप गर्ग द्वारा उपजेल सक्ती का विस्तृत निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने जेल की सुरक्षा व्यवस्था, बंदियों को मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं और जेल परिसर की स्वच्छता का जायजा लिया। माननीय न्यायाधीश ने जेल के विभिन्न बैरकों का भ्रमण किया और वहां की क्षमता व स्वच्छता का अवलोकन किया। उन्होंने बंदियों से चर्चा कर उनकी समस्याओं और जेल प्रशासन द्वारा दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। जेल की रसोई का निरीक्षण करते हुए उन्होंने बंदियों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता और शुद्धता की जांच की। उन्होंने जेल प्रशासन को निर्देश दिए कि मीनू के अनुसार पौष्टिक और स्वच्छ भोजन समय पर उपलब्ध कराया जाए।सहनिरीक्षण के दौरान उन्होंने बंदियों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने जेल अधिकारियों को निर्देशित किया कि जो बंदी आर्थिक अभाव में वकील नहीं कर सकते, उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता तुरंत उपलब्ध कराई जाए। उपजेल के चिकित्सा कक्ष का निरीक्षण कर उन्होंने दवाइयों की उपलब्धता और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के संबंध में भी निर्देश दिए। माननीय डी.जे. साहब ने जेल प्रशासन को सुरक्षा के कड़े इंतजाम रखने और जेल मैनुअल के नियमों का अक्षरशः पालन करने के निर्देश दिए। अपने निरीक्षण के दौरान एडीजे साहब ने स्पष्ट किया कि बंदियों के मानवाधिकारों का संरक्षण सुनिश्चित करना और जेल परिसर में अनुशासन बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। उक्त निरीक्षण के दौरान शैलेश चौहान प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, प्रवीण मिश्रा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, शुभदा गोयल मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, मनोज कुमार कुशवाहा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जांजगीर, विजय पटेल सहायक जेल अधीक्षक, समस्त जेल स्टाफ और पैरालीगल वालेंटियर मनीष साहू उपस्थित रहे।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने प्रगतिरत जल आवर्धन योजना का किया निरीक्षण गुणवत्ता, तकनीकी मानकों और समय-सीमा के पालन के निर्देश

- **हसदेव नदी से घर-घर पहुंचेगा शुद्ध पेयजल**
- **ओवरहेड टैंक व पाइपलाइन विस्तार से सुदृढ़ होगी पेयजल व्यवस्था**

सक्ती/मूक पत्रिका

जांजगीर-चांपा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप जिले में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु संचालित प्रगतिरत जल आवर्धन योजना के कार्यों का आज कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने स्थल निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, निर्धारित समय-सीमा तथा तकनीकी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करते हुए सुनियोजित कार्ययोजना के अनुसार कार्य पूर्ण किया जाए। इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत पाइपलाइन विस्तार, 9.30 लाख लीटर एवं 24.50 लाख लीटर क्षमता के ओवरहेड टैंकों का निर्माण तथा वार्डों में घर-घर जल कनेक्शन प्रदान किए जाने का कार्य शामिल है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बिरगहनी स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का भी अवलोकन किया। उन्होंने जल शोधन की प्रक्रियाओं, मशीनरी इंस्टॉलेशन, फिल्ट्रेशन सिस्टम एवं परीक्षण कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कार्यों में किसी प्रकार की तकनीकी त्रुटि न हो तथा नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्माण एजेंसियों को अनावश्यक विलंब से बचते हुए निर्धारित समय-सीमा नवंबर 2027 तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बीड़ीएम शासकीय अस्पताल चांपा में कम्प्यूटर ऑपरेटर पर 200-200 रुपये लेने के गंभीर आरोप

जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र में गड़बड़ी कर अवैध राशि वसूली का खेल!

चांपा/मूक पत्रिका

स्व. बिसाहूदास महंत स्मृति शासकीय चिकित्सालय में जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने तथा उसमें नाम-पता या अन्य विवरणों में सुधार के नाम पर अवैध वसूली का मामला सामने आ रहा है। अस्पताल के संबंधित शाखा में कार्यरत एक कम्प्यूटर ऑपरेटर पर लोगों से 200-200 रुपये की अवैध राशि लेने के आरोप लगातार सामने आ रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आने वाले नागरिकों से कम्प्यूटर ऑपरेटर द्वारा खुलेआम पैसे मांगे जाते हैं। यदि कोई व्यक्ति राशि देने में आनाकानी करता है तो उसका कार्य लंबित रखा जाता है या फिर प्रमाण पत्र जारी करने में अनावश्यक देरी की जाती है। पीड़ितों का यह भी कहना है कि कई मामलों में जानबूझकर नाम, पता या अन्य आवश्यक विवरणों में गलतियां कर दी जाती हैं। बाद में उन गलतियों को सुधारने के नाम पर फिर से 200 रुपये की मांग की जाती है। इस तरह एक ही प्रमाण पत्र के लिए लोगों से दो-दो बार राशि वसूली किए जाने की शिकायतें मिल रही हैं। हालांकि, ग्रामीण एवं आम नागरिकों को जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जैसे जरूरी दस्तावेजों के लिए मजबूरी में यह राशि देनी पड़ रही है। कई लोग इस अवैध वसूली से परेशान हैं।

BDM हॉस्पिटल में जमकर मनमानी - स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अस्पताल जैसे संवेदनशील संस्थान में इस प्रकार की अवैध वसूली गंभीर मामला है। लोगों ने संबंधित विभाग और जिला प्रशासन से इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

प्रशासन की चुप्पी पर उठ रहे सवाल -

लगातार मिल रही शिकायतों के बावजूद अब तक इस मामले में किसी प्रकार की आधिकारिक कार्रवाई सामने नहीं आई है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या अस्पताल प्रबंधन को इस पूरे मामले की जानकारी नहीं है, या फिर सब कुछ जानकर भी अनदेखी की जा रही है। यदि समय रहते इस मामले की जांच नहीं हुई तो आम जनता से जुड़ी इस सेवा में भ्रष्टाचार का यह सिलसिला आगे भी जारी रहने की आशंका जताई जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित। संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।